दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, नर्मदापुरम् संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-143 सीहोर,गुरूवार 23 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

हमारे पास वीडियो देखने का समय नहीं, प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई के खिलाफ तत्काल सुनवाई से एससी का इनकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदर्शनकारियों पर कथित पुलिस कार्रवाई से जुड़ी एक तत्काल याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। याचिका का उल्लेख करने वाले वकील ने अदालत से पुलिस कार्रवाई के वीडियो देखने और मामले में स्वत: संज्ञान (सुओ मोटू) लेने की मांग की थी। सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने स्पष्ट कहा कि अदालत के पास वीडियो देखने का समय नहीं है। उन्होंने वकील से कहा कि वह न तो अदालत का समय बर्बाद करें और न ही अपना समय।

वकील ने अदालत को बताया कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने सख्ती की है और इसके कई वीडियो उपलब्ध हैं। उन्होंने आग्रह किया कि अदालत इन वीडियो को देखकर मामले में स्वत: संज्ञान ले।

हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने इस अनुरोध को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा, हमारे पास वीडियो देखने का समय नहीं है, और याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया।

वकील ने यह भी कहा कि प्रदर्शन कर रहे छात्र नीट परीक्षा के निष्पक्ष आयोजन और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) में सुधार जैसी मांगें उठा रहे हैं। छात्रों का कहना है कि परीक्षा प्रणाली में सुधार किए जाएं ताकि भविष्य में ऐसी अनियमितताओं की पुनरावृत्ति न हो।

'छात्रों से बातचीत करे सरकार', अन्ना हजारे की पीएम मोदी को चिट्ठी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा पर समाजसेवी अन्ना हजारे ने दुख जताया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक अन्ना ने प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी लिखी है। जिसमें उन्होंने दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा पर दुख जताया है और सरकार से सकारात्मक बातचीत की अपील की है। पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी में अन्ना ने लिखा, 'दिल्ली में चल रहे आंदोलन की पृष्ठभूमि में कल हुई हिंसा और पुलिस कार्रवाई की खबरें अत्यंत पीड़ादायक हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस प्रकार की घटनाएं किसी के भी हित में नहीं हैं। मेरा मत है कि किसी भी परिस्थिति में हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति की क्षति और अनावश्यक बल प्रयोग से बचा जाना चाहिए।

सोनम वांगचुक अनशन खत्म करने के लिए तैयार,सरकार के सामने रखी शर्त

नई दिल्ली (आरएनएस)। शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा पेपर लीक मामलों में जवाबदेही और छात्रों के हितों को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक ने केंद्र सरकार से आंदोलन में शामिल युवाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का स्पष्ट लिखित आश्वासन मांगा है। उन्होंने कहा कि ऐसा आश्वासन मिलने पर ही वह अनशन समाप्त करने पर विचार करेंगे। सोनम वांगचुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक खुला पत्र साझा किया, जिसे उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी. नड्डा और केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के नाम संबोधित किया गया है। उन्होंने पत्र में बताया कि दोनों मंत्री मंगलवार रात अस्पताल में उनसे मिलने पहुंचे थे और उन्होंने अनशन समाप्त करने का आग्रह किया था। वांगचुक ने लिखा कि मुलाकात के दौरान मंत्रियों ने उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी प्रमुख मांगों पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी। इनमें परीक्षा पेपर लीक की घटनाओं के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को उचित मुआवजा देने और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर संसद में सार्थक चर्चा सुनिश्चित करने जैसी मांगें शामिल हैं।

काले कपड़ों में संसद पहुंचे विपक्षी सांसद, छात्रों के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ जताया विरोध

नई दिल्ली, (आरएनएस)। छात्रों के मुद्दों और हालिया विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर बुधवार को संसद परिसर में विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सहित कई दलों के सांसद काले कपड़े और काले स्कार्फ पहनकर संसद पहुंचे।समाजवादी पार्टी के सांसद भी विरोध में काले स्कार्फ पहनकर शामिल हुए। सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी इससे पहले प्रधानमंत्री आवास के बाहर आयोजित कांग्रेस के धरने में शामिल हुए थे, जहां उन्हें कांग्रेस नेताओं के साथ हिरासत में लिया गया था।कांग्रेस सांसद के. सुरेश ने कहा कि काले वस्त्र धारण करना हाल के प्रदर्शनों के दौरान विपक्षी सांसदों के साथ कथित पुलिस कार्रवाई के विरोध का प्रतीक है। उनके अनुसार, संसद के मकर द्वार पर किया गया प्रदर्शन सुरक्षा बलों की कार्यशैली के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से असहमति दर्ज कराने का प्रयास था।वहीं, राजद सांसद संजय यादव ने सरकार पर पेपर लीक की घटनाओं और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर निशाना साधा।

'आप स्थापित चोर हैं, यह मैं साबित करूंगा'

सीएम शुभेंदु का पूर्व सीएम ममता पर अभूतपूर्व हमला

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा के सत्र के दौरान आज राजनीतिक टकराव अपने चरम पर पहुंच गया। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को निशाना बनाते हुए वर्तमान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने एक के बाद एक कई विस्फोटक बयान दिए। अतीत के भ्रष्टाचार के आरोपों से लेकर राजनीतिक भविष्य तक, किसी भी मुद्दे पर उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। यहां तक कि मुख्यमंत्री ने अतीत के बंद हो चुके मामलों (फाइलों) को फिर से खोलने का भी स्पष्ट संकेत दिया। उनके इस आक्रामक बयान को लेकर विधानसभा के भीतर जबरदस्त हंगामा शुरू हो गया। विधानसभा से ममता बनर्जी को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा, आपने कहा था कि 'जीवित हूं, देख लूंगी।' जीवित रहते-रहते ही आप पूर्व (मुख्यमंत्री) हो चुकी हैं। और जीवित रहते-रहते ही आप जो एक प्रमाणित/स्थापित चोर हैं, यह भी मैं साबित करके रहूंगा।

'पुलिसवालों ने मेरे कान में कहा सरकार को हटाइए', राहुल बोले- 152 पेपर लीक, मगर सजा किसी को नहीं

नईदिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, छात्रों के विरोध प्रदर्शन और शिक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की शिक्षा प्रणाली गंभीर संकट से गुजर रही है और छात्रों की आवाज सुनने के बजाय उनके खिलाफबल प्रयोग किया जा रहा है।राहुल गांधी ने कहा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि छात्रों का आखिर कसूर क्या है। उनके अनुसार, छात्र शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रख रहे हैं और केवल एक निष्पक्ष एवं भरोसेमंद शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छात्र लगातार मानसिक दबाव से गुजरते हैं और परीक्षा से ठीक पहले पेपर लीक जैसी घटनाओं की जानकारी मिलती है, जिससे उनकी वर्षों की मेहनत पर पानी फिर जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि कई छात्र इस तनाव के कारण आत्महत्या तक कर चुके हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि कभी दुनिया की बेहतर शिक्षा प्रणालियों में गिनी जाने वाली भारतीय शिक्षा व्यवस्था अब भरोसे के संकट से जूझ रही है। उनका आरोप था कि पिछले एक दशक में 152 बार विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक हुए, यानी औसतन हर महीने एक बड़ी घटना सामने आई। उन्होंने कहा कि हर पेपर लीक के बाद लाखों छात्रों को दोबारा परीक्षा की तैयारी करनी पड़ती है, लेकिन अब तक किसी भी मामले में दोषियों को सजा नहीं मिली। राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि यदि इतने मामलों के बावजूद कोई दोषी नहीं ठहराया गया, तो इसका मतलब है कि व्यवस्था में गंभीर खामियां हैं। राहुल गांधी ने शिक्षा को महंगा होने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ता है।

भोपाल- समेत 43 जिलों में होगी बारिश, अगले 5 दिन के लिए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी

भोपाल (निप्र)। सावन महीने के पहले प्रदेश में वर्षा की झड़ी लग गई। बीते दो दिन से रुक-रुककर वर्षा का सिलसिला जारी है। बुधवार को

भोपाल समेत पूरे प्रदेश में कहीं रिमझिम तो कहीं जोरदार वर्षा हुई। दरअसल, मानसूनी द्रोणिका गुना और दमोह के पास से होकर गुजर रही है, वहीं उत्तर-मध्य हिस्से में ऊपरी हवा का चक्रवात सक्रिय है। इन दो मजबूत मौसम प्रणालियों के कारण पूरे प्रदेश में वर्षा की गतिविधियां जारी हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिन वर्षा का यह सिलसिला जारी रहेगा। मौसम विज्ञानी एसएन साहू ने बताया कि सक्रिय मौसम प्रणालियों के कारण प्रदेश में इस सप्ताह अच्छी वर्षा होने के आसार हैं। अगले पांच दिन तक कई हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा होगी, जबकि कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ अचानक तेज व भारी वर्षा हो सकती है। लगातार हो रही वर्षा और बादलों के जमावड़े के कारण प्रदेश के अधिकांश जिलों में दिन के तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हुई। इसके साथ ही रात का तापमान भी सामान्य या उससे कम बना हुआ है। बुधवार शाम साढ़े पांच बजे तक सबसे अधिक 133 मिलीमीटर यानी लगभग पांच इंच से ज्यादा वर्षा सीहोर जिले के अहमदपुर में हुई।

अनुराग जैन को नीति आयोग के सीईओ की जिम्मेदारी

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन को केंद्र सरकार ने नई जिम्मेदारी सौंपते हुए नीति आयोग का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। इस फैसले के साथ ही उनके मुख्य सचिव के रूप में दूसरी बार सेवा विस्तार मिलने को लेकर चल रही चर्चाओं पर भी विराम लग गया है।केंद्र सरकार की कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने बुधवार को जारी आदेश में 1989 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी अनुराग जैन की नियुक्ति को मंजूरी दी। आदेश के अनुसार, वे पदभार ग्रहण करने के साथ ही नीति आयोग के सीईओ के रूप में कार्यभार संभालेंगे। उनका कार्यकाल स्वीकृत सेवा-विस्तार अवधि तक रहेगा तथा आवश्यकता होने पर अधिकतम दो वर्ष या अगले आदेश तक जारी रह सकेगा।अनुराग जैन का मूल सेवानिवृत्ति वर्ष 2025 था, लेकिन केंद्र सरकार ने उन्हें सेवानिवृत्ति से पहले एक वर्ष का सेवा विस्तार दिया था। इसी कारण उनका वर्तमान कार्यकाल 31 अगस्त 2026 तक निर्धारित है।बीते कुछ समय से यह संभावना जताई जा रही थी कि उन्हें मुख्य सचिव के रूप में पुन: सेवा विस्तार मिल सकता है। हालांकि अब नीति आयोग में नई नियुक्ति के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि राज्य को जल्द नया मुख्य सचिव मिलेगा।अनुराग जैन ने अक्टूबर 2024 में मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव का पद संभाला था। इससे पहले वे केंद्र सरकार में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में संयुक्त सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।उनके कार्यकाल में सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, प्रशासनिक व्यवस्था में बेहतर समन्वय तथा केंद्र और राज्य सरकार के बीच तालमेल को विशेष उपलब्धियों के रूप में देखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ उनकी कई महत्वपूर्ण बैठकों ने भी प्रशासनिक स्तर पर सकारात्मक भूमिका निभाई। ग्वालियर निवासी अनुराग जैन ने आईआईटी खड़गपुर से बीटेक की पढ़ाई की है। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के मैक्सवेल स्कूल से पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री हासिल की। अपने प्रशासनिक करियर में वे भोपाल कलेक्टर, अपर मुख्य सचिव (वित्त) और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सचिव जैसे अहम दायित्व भी निभा चुके हैं।

IAS अशोक बर्णवाल प्रदेश के स्थानापन्न मुख्य सचिव नियुक्त

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश शासन के प्रशासनिक अमले में एक बड़ा फेरबदल हुआ है। राज्य सरकार ने 1991 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अशोक बर्णवाल को मध्य प्रदेश शासन के स्थानापन्न मुख्य सचिव नियुक्त किया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग (GAD) द्वारा 22 जुलाई 2026 को आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश के अनुसार, अशोक बर्णवाल वर्तमान में मध्य प्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव (ACS) के पद पर तैनात हैं। इसके साथ ही उनके पास भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के अपर मुख्य सचिव और खाद्य सुरक्षा, मध्य प्रदेश के आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार भी है। अब उन्हें अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से मध्य प्रदेश का मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है।

सरकारी कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले, सरकार ने भत्ते में किया बंपर इजाफा; एक झटके में हजारों रुपये बढ़ गई सैलरी

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। केंद्रीय कर्मचारियों को भले ही अभी अपने महंगाई भत्ते (डीए) की बढ़ोतरी का इंतजार हो, लेकिन सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (CPSE) में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों का खजाना खोल दिया है। लोक उद्यम विभाग ने इंडस्ट्रियल डियरनेस अलाउंस (IDA) यानी औद्योगिक महंगाई भत्ते की नई दरें जारी कर दी हैं। बढ़ती महंगाई से राहत देने के लिए उठाए गए इस बड़े कदम से ऊर्जा, तेल-गैस और इस्पात जैसी दिग्गज सरकारी कंपनियों में काम करने वाले लाखों कर्मचारियों की मासिक सैलरी में जबरदस्त उछाल आने वाला है। सरकार द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के मुताबिक, भत्ते की ये नई दरें 1987, 1997, 2007 और 2017 के वेतनमान के तहत आने वाले CPSE कर्मचारियों पर लागू की गई हैं। ताजा संशोधन के बाद साल 2017 वेतनमान के तहत आने वाले कर्मचारियों का भत्ता अब 55.7 फीसदी हो गया है। वहीं, 2007 और 1997 के वेतनमान वाले कर्मचारियों का भत्ता बढ़कर क्रमश: 241.7 फीसदी और 476.9 फीसदी तक पहुंच गया है। इसके अलावा 1987 वेतनमान के कर्मचारियों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर इसे 18,298 रुपये तय किया गया है।

रेलवे विद्युतीकरण में भारत ने रचा इतिहास, 99.6 प्रतिशत ब्रॉड गेज नेटवर्क हुआ विद्युतीकृत

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय रेलवे ने रेल विद्युतीकरण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए देश के 99.6 प्रतिशत ब्रॉड गेज रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण पूरा कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ भारत अब रेलवे विद्युतीकरण के मामले में स्विट्जरलैंड के बाद दुनिया का दूसरा सबसे अधिक विद्युतीकृत रेल नेटवर्क बन गया है। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारतीय रेलवे ने पिछले एक दशक में मिशन मोड में रेल विद्युतीकरण अभियान चलाकर विश्व के सबसे बड़े अवसंरचना परिवर्तन कार्यक्रमों में से एक को सफलतापूर्वक पूरा किया है। वर्ष 2014 से पहले लगभग 60 वर्षों में देश में 21,801 मार्ग किलोमीटर रेलमार्ग का विद्युतीकरण हुआ था, जबकि वर्ष 2014 से 2026 के बीच रिकॉर्ड 48,072 मार्ग किलोमीटर का विद्युतीकरण किया गया। इसके अलावा अब सभी नई रेल लाइनों और बहु-पटरीकरण परियोजनाओं को विद्युतीकरण के साथ ही स्वीकृत और विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय रेलवे संघ (यूआईसी) की जून 2025 की रिपोर्ट के अनुसार रेलवे विद्युतीकरण में स्विट्जरलैंड 100 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर है, जबकि भारत 99.6 प्रतिशत विद्युतीकरण के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है।

हाथों पर काली पट्टी बांधकर विधानसभा पहुंचे कांग्रेस विधायक, जंतर-मंतर की घटना और पेपर लीक पर हंगामा

कांग्रेस विधायकों ने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री का मांगा इस्तीफा

भोपाल, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों पर हुए लाठीचार्ज, कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी और पेपर लीक के मुद्दों को लेकर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक हाथों पर काली पट्टी बांधकर सदन पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग की। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले आज कांग्रेस विधायकों ने हाथों पर काली पट्टी बांधकर सदन पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि दिल्ली में अपने भविष्य की लड़ाई लड़ रहे छात्रों पर लाठीचार्ज हुआ। विधानसभा में इस पर चर्चा की मांग की गई, लेकिन भाजपा सरकार जवाब देने से बच रही है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि नीट पेपर लीक, भर्ती घोटाले, बेरोज़गारी और छात्रों पर अत्याचार, यही भाजपा सरकार की युवा नीति बन गई है। युवा जवाब मांग रहे हैं, सरकार सिर्फ अहंकार दिखा रही है।हरदा से कांग्रेस विधायक आर.के. दोगने ने देश में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि देश के लाखों युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है, ऐसे में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। विधायकों ने मांग की कि पेपर लीक और जंतर-मंतर पर छात्रों के साथ हुई बर्बरता पर विधानसभा में तत्काल विशेष चर्चा कराई जाए।

किसान मुआवजे के मुद्दे पर सरकार को घेरा

हंगामे के बीच नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने किसानों के बकाया मुआवजे का मामला भी उठाया। उन्होंने सरकार से सीधे सवाल किया कि प्रदेश के लगभग 15 हजार प्रभावित किसानों का 27 करोड़ रुपये का बकाया मुआवजा आखिर कब तक जारी किया जाएगा। सिंघार ने कहा कि सरकार खुद मान चुकी है कि यह राशि बकाया है, लेकिन भुगतान करने में टालमटोल कर रही है।

कश्मीर में लाल चौक के पास आतंकी हमला, फायरिंग में एक जवान शहीद, सर्च ऑपरेशन जारी

श्रीनगर (ए.)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में लाल चौक के पास बुधवार को आतंकियों ने हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार इस हमले में एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया है।यह हमला अनंतनाग के कोकेरनाग

इलाके में हुआ है, जब आतंकियों ने अचानक फायरिंग किया तो जम्मू-कश्मीर पुलिसकर्मियों ने जवाब दिया। हमले के बाद आतंकियों की तलाश में सुरक्षाबलों द्वारा इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, दोपहर करीब 12:30 बजे आतंकियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलियां चलीं। इस दौरान हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन जख्मी हो गए। उन्हें इलाज के लिए जीएमसी अनंतनाग ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले उनकी मौत हो गई। सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और हमलावरों का पता लगाने के लिए ऑपरेशन छेड़ा है।वहीं, इस हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फोर्स (टीआरएफ) के फाल्कन दस्ते ने ली है। टीआरएफ की स्थापना लश्कर-ए-तैयबा ने पाकिस्तानी सहयोग से साल 2019 में की थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव चंद्रशेखर आजाद नगर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में होंगे शामिल

-अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को देंगे श्रद्धांजलि, किसानों से करेंगे संवाद
-340 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्यों की देंगे सौगात

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाए जाने के उपलक्ष्य में प्रदेश के सभी जिलों में बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आलीराजपुर जिले के चंद्रशेखर आजाद नगर में उनकी 120वीं जन्म जयंती के अवसर पर कृषि उपज मंडी में 23 जुलाई 2026 को बलराम कृषि महोत्सव, अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जन्मजयंती समारोह आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव चंद्रशेखर आजाद नगर में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली आजाद कुटिया पहुंच कर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन करेंगे। इसके बाद वे मुख्य कार्यक्रम स्थल कृषि मंडी पहुंच कर बलराम कृषि महोत्सव में जिले के प्रगतिशील किसानों से संवाद कर कृषि क्षेत्र में नवाचार,आधुनिक तकनीकों तथा कृषि विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री संभाग के अलग-अलग जिलों से आए विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित इंफ्लूएंसर्स से भी संवाद करेंगे।

मुख्यमंत्री बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों और मेधावी छात्रों का करेंगे सम्मान

कार्यक्रम में जिले के उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील किसानों तथा मेधावी छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। बलराम कृषि महोत्सव का उद्देश्य किसानों को कृषि एवं कृषि से संबद्ध क्षेत्रों की नवीनतम तकनीकों, उन्नत कृषि पद्धतियों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना है। इसी के साथ विभिन्न विभागों के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया जाएगा।

प्रदर्शनी का करेंगे अवलोकन

बलराम कृषि महोत्सव में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, कृषि अभियांत्रिकी तथा अन्य संबंधित विभागों द्वारा आकर्षक प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव जिले में 287.32 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का करेंगे भूमिपूजन और 53.55 करोड़ की लागत के कार्यों की देंगे सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपने प्रस्तावित आलीराजपुर प्रवास के दौरान जिले को विकास कार्यों की बड़ी सौगात देंगे। मुख्यमंत्री विभिन्न विभागों के लगभग 287.32 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। इन विकास कार्यों में लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क निर्माण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत ग्रामीण संपर्क मार्गों का निर्माण, जनजातीय कार्य विभाग के नवीन हाई स्कूल भवन, जल संसाधन विभाग के बैराज निर्माण, मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के विद्युत उपकेंद्र, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के नवीनीकरण एवं नव-निर्माण कार्य सहित पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा अन्य विभागों के विभिन्न निर्माण कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से जिले में सड़क संपर्क, शिक्षा, सिंचाई, विद्युत अधोसंरचना तथा ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी।

ग्वालियर के 68 हजार 378 उपभोक्ताओं को जून माह में 1 करोड़ 12 लाख 87 हजार की छूट
स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को मिली सोलर ऑवर में 20 प्रतिशत छूट

भोपाल (ए.)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ डे (ToD) छूट का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में जून 2026 के दौरान ग्वालियर शहर एवं ग्वालियर ग्रामीण क्षेत्र के कुल 68 हजार 378 उपभोक्ताओं को जून माह में 1 करोड़ 12 लाख 87 हजार रुपए की रियायत प्रदान की गई है। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी विद्युत खपत के आधार पर टाइम ऑफ डे (ToD) योजना के अंतर्गत यह छूट प्रदान की गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने बताया है कि कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटरिंग पहल के अंतर्गत उपभोक्ताओं को सोलर ऑवर में बिजली उपयोग करने पर विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। दिन के टैरिफ में स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है। कंपनी ने बताया है कि घरेलू, गैर घरेलू, सार्वजनिक जल कार्य, स्ट्रीट लाइट एवं निम्नदाब औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि को सोलर ऑवर निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उपभोग की गई ऊर्जा पर ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर में 20 प्रतिशत तक की छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को प्रदान की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस से 28 जुलाई तक वन विहार में बाघ सप्ताह का होगा आयोजन
'मध्यप्रदेश में बाघ' थीम पर विद्यार्थियों में जागरुकता बढ़ाने होंगी रचनात्मक प्रतियोगिताएं

भोपाल (ए.)। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के उपलक्ष्य में वन विहार राष्ट्रीय उद्यान द्वारा आयोजित 'बाघ सप्ताह' के अंतर्गत बुधवार को विद्यार्थियों में वन्यजीव संरक्षण और बाघों के प्रति जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'मध्यप्रदेश में बाघ' थीम पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 'बाघ सप्ताह' के अंतर्गत प्रतिदिन 22 से 28 जुलाई तक विभिन्न रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में कक्षा 9 से 12 तक के लगभग 138 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें चंद्रशेखर आजाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रातीबड़; नाथू बरखेड़ा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नीलबड़; नवीन कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, तुलसीनगर तथा सरदार वल्लभभाई पटेल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सूरज नगर के विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए, जबकि तीन प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए। बाघ सप्ताह के अंतर्गत 23 जुलाई को प्रात: 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए बाघ रेस्क्यू कार्यशाला आयोजित की जाएगी। विद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए बाघ संरक्षण विषय पर ओपन क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की जायेगी।

उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने राज्य स्तरीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन प्रकोष्ठ (SAAC) के मापदंडों के निर्धारण हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया।

पड़ोसी युवक पर नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म का आरोप, पुलिस ने दर्ज किया मामला

भोपाल (ए.)। शहर के बैरसिया थाना क्षेत्र में रहने वाली एक नाबालिग छात्रा के साथ कथित दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार आरोपी युवक पिछले कई महीनों से छात्रा को झांसा और धमकी देकर उसका शोषण करता रहा। मामला तब उजागर हुआ जब छात्रा की तबीयत बिगड़ने पर चिकित्सकीय जांच कराई गई, जिसमें उसके गर्भवती होने की जानकारी मिली। परिजनों ने छात्रा से पूछताछ की, जिसके बाद पूरी घटना सामने आई। शिकायत मिलने पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी घटना के बाद से फरार है और उसकी तलाश के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच जारी है।

ट्रेन मैनेजर की सतर्कता, साहस और मानवीय संवेदनशीलता से यात्री की जान बची

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल में कार्यरत मेल ट्रेन मैनेजर रोमेश चौबे की तत्परता, साहस और सेवा भावना के कारण एक यात्री की जान बच गई। उनकी सूझबूझ और मानवता का परिचय देते हुए की गई त्वरित कार्रवाई से एक संभावित बड़ा हादसा टल गया। घटना गाड़ी संख्या 12753 नांदेड-हजरत निजामुद्दीन संपर्क क्रांति में यात्रा कर रहे यात्री सुशील पाटिल के साथ हुई, जो मनमाड़ से भोपाल सामान्य श्रेणी के कोच में यात्रा कर रहे थे। इटारसी यार्ड में ट्रेन के कुछ समय रुकने पर वे पानी लेने के लिए नीचे उतरे। इसी दौरान उनका बैग, जिसमें नकदी, रेल टिकट एवं अन्य आवश्यक सामान रखा था, चोरी हो गया। बैग की तलाश में व्यस्त रहने के दौरान ट्रेन चल पड़ी। घबराहट में यात्री ने चलती ट्रेन के अंतिम डिब्बे पर चढ़ने का प्रयास किया। ट्रेन मैनेजर रोमेश चौबे ने उन्हें ऐसा करने से लगातार मना किया, लेकिन घबराए यात्री ने फिर भी चलती ट्रेन पकड़ने की कोशिश की। इस दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वे गिरकर ट्रेन के साथ घिसटने लगे। स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई थी तथा किसी भी क्षण बड़ा हादसा हो सकता था।

ऐसे संकटपूर्ण क्षण में ट्रेन मैनेजर रोमेश चौबे ने बिना अपनी जान की परवाह किए तत्काल आगे बढ़कर यात्री को मजबूती से पकड़ लिया और पूरी ताकत से उन्हें ट्रेन के भीतर खींच लिया। उनकी अदम्य साहस, त्वरित निर्णय क्षमता और

कर्तव्यनिष्ठा के कारण यात्री की जान सुरक्षित बच गई। घटना के दौरान यात्री के पैर में चोट एवं सूजन आ गई थी। उनके पास भोजन की भी कोई व्यवस्था नहीं बची थी। ऐसी स्थिति में ट्रेन मैनेजर श्री चौबे ने उन्हें केले उपलब्ध कराए तथा आवश्यक मानवीय सहयोग प्रदान करते हुए उनका मनोबल भी बढ़ाया। इस अवसर पर सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने कहा, यात्री की सुरक्षा ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारतीय रेल में हमारा दायित्व केवल ट्रेन का संचालन करना नहीं, बल्कि प्रत्येक यात्री की सुरक्षा और आवश्यकता के समय उसकी सहायता करना भी है। यह घटना रेल की उस सेवा संस्कृति का जीवंत उदाहरण है, जिसमें कर्तव्य के साथ-साथ मानवता, संवेदनशीलता और यात्रियों के प्रति समर्पण सर्वोपरि है। पश्चिम मध्य रेल अपने कर्मचारियों की ऐसी प्रतिबद्धता और सेवा भावना पर गर्व करता है।

दुकान का ताला तोड़कर लाखों के इलेक्ट्रॉनिक सामान पर हाथ साफ

भोपाल (ए.)। एमपी नगर थाना क्षेत्र स्थित एक कंप्यूटर दुकान में अज्ञात बदमाशों ने देर रात चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर दुकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और लैपटॉप, प्रिंटर सहित अन्य महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लेकर फरार हो गए। दुकान मालिक की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक जांच में आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का अनुमान है कि चोरी में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। आरोपियों की तलाश जारी है।

नगर निगम ने सात आवारा पशुओं को पकड़ा, चार का कराया जाएगा उपचार

भोपाल (ए.)। नगर निगम की टीम ने शहर में सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर घूम रहे सात आवारा पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस पहुंचाया। इनमें से चार पशु घायल या बीमार पाए गए, जिन्हें उपचार के लिए पशु चिकित्सालय भेजा गया है। शेष पशुओं को निर्धारित प्रक्रिया के तहत कांजी हाउस में रखा गया है। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि शहर में आवारा पशुओं की समस्या को नियंत्रित करने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा तथा आवश्यकतानुसार आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

गोंडवाना एक्सप्रेस में टीटीई की सतर्कता से घर से बिना बताए निकली युवती सुरक्षित परिजन को सुपुर्द

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल के टिकट जांच कर्मचारियों की सतर्कता एवं संवेदनशीलता से घर से बिना बताए निकली एक युवती को सुरक्षित संरक्षण में लेकर आगे की आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। गाड़ी संख्या 12409 गोंडवाना एक्सप्रेस में सोमवार को इटारसी से वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी के मध्य टिकट जांच कार्य के दौरान उप मुख्य टिकट निरीक्षक राजेन्द्र बैरवा एवं वरिष्ठ मुख्य वाणिज्य टिकट परीक्षक विजय मनराल को एक सहयात्री ने सूचना दी कि एक युवती अपने घर से बिना बताए ट्रेन में यात्रा कर रही है।

सूचना मिलने पर दोनों कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए युवती की पहचान एवं स्थिति की जानकारी प्राप्त की। पूछताछ के दौरान युवती के परिजनों से संपर्क स्थापित किया गया, जिससे पुष्टि हुई कि वह बिना बताए घर से निकली थी। पूरे घटनाक्रम की जानकारी भोपाल एवं वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी कंट्रोल को तत्काल उपलब्ध कराई गई। युवती की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उसे यात्रा के दौरान सुरक्षित निगरानी में रखा गया तथा गाड़ी के एस-3 कोच में संरक्षण प्रदान किया गया। गंतव्य स्टेशन वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी पहुंचने पर उसे रेलवे सुरक्षा बल झांसी के माध्यम से उसके परिजन से संपर्क स्थापित कर सुपुर्दगी की कार्रवाई की गई। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि रेलवे केवल सुरक्षित यात्रा का माध्यम ही नहीं, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर यात्रियों की सुरक्षा और मानवीय सहायता के प्रति भी पूर्णत: प्रतिबद्ध है। टिकट जांच कर्मचारियों की संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई से एक युवती को सुरक्षित संरक्षण प्रदान किया जा सका, जो रेल की सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण है।

रानी कमलापति से 23 जुलाई से संशोधित एलएचबी कोच संरचना के साथ चलेगी

भोपाल (निप्र)। यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा एवं यात्रा अनुभव को और बेहतर बनाने की दिशा में पश्चिम मध्य रेल द्वारा एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। रेलवे प्रशासन ने पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल से संचालित गाड़ी संख्या 01665/01666 रानी कमलापति-अगरतला-रानी कमलापति स्पेशल एक्सप्रेस के परंपरागत आईसीएफ कोचों के स्थान पर चरणबद्ध रूप से अत्याधुनिक एलएचबी कोच लगाने का निर्णय लिया है। गाड़ी संख्या 01665 रानी कमलापति-अगरतला स्पेशल 23 जुलाई से 2026 से संशोधित एलएचबी रेक संरचना तथा गाड़ी संख्या 01666 अगरतला-रानी कमलापति स्पेशल 12 जुलाई से एलएचबी रेक एवं 26 जुलाई से 2026 से संशोधित एलएचबी रेक संरचना के साथ संचालित होगी।वर्तमान कोच संरचना- 04 सामान्य कोच, 05 एसी-3 टियर कोच, 01 एसी-2 टियर कोच, 10 स्लीपर कोच, 01 गार्ड सह लगेज व ब्रेक वैन एवं 01 जनरेटरकार सहित कुल 22 एलएचबी कोच हैं। संशोधित एलएचबी रेक संरचना (23/26 जुलाई 2026 से)- 04 सामान्य कोच, 05 एसी-3 टियर कोच, 01 एसी-3 टियर इकोनॉमी कोच, 02 एसी-2 टियर कोच, 08 स्लीपर कोच, 01 गार्ड सह लगेज व ब्रेक वैन एवं 01 जनरेटरकार सहित कुल 22 कोच होंगें। एलएचबी कोच आधुनिक तकनीक से निर्मित होने के कारण अधिक सुरक्षित, आरामदायक एवं अपेक्षाकृत अधिक बर्थ की संख्या के अनुरूप हैं। इनमें बेहतर गुणवत्ता, कम कंपन, उन्नत ब्रेकिंग प्रणाली, उच्च सुरक्षा मानक तथा दुर्घटना की स्थिति में अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षा उपलब्ध होती है। साथ ही इन कोचों में यात्रियों को अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव प्राप्त होगा। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि यह निर्णय यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण रेल यात्रा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भोपाल मंडल से होकर संचालित इस महत्वपूर्ण ट्रेन में एलएचबी कोच लगाए जाने से मध्यप्रदेश सहित पूर्वोत्तर भारत की यात्रा करने वाले यात्रियों को विशेष लाभ मिलेगा।

अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स को विश्वस्तरीय स्वरूप देने में जुटी सरकार

मंत्री श्री सारंग ने प्रगति की समीक्षा कर दिए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश

भोपाल (ए.)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने टीटी नगर स्टेडियम में बरखेड़ा नाथू स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के निर्माण एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सभी कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में कॉम्पलेक्स में विकसित की जा रही खेल अधोसंरचना, सुरक्षा व्यवस्था, जनसुविधाओं, ऊर्जा प्रबंधन तथा निर्माण कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि यह खेल परिसर मध्यप्रदेश की खेल प्रतिभाओं के लिए विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है। इसलिए निर्माण के प्रत्येक कार्य में गुणवत्ता, पारदर्शिता और तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। बैठक में मंत्री श्री सारंग के निर्देशानुसार खेल परिसर में प्रवेश एवं निकास व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए दो नए प्रवेश द्वार जोड़े जाने की जानकारी दी गई। पहले परिसर में तीन गेट थे, जिन्हें बढ़ाकर अब कुल पांच प्रवेश द्वार विकसित किए जा रहे हैं। इससे खिलाड़ियों, दर्शकों, अधिकारियों एवं आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही अधिक सुगम और व्यवस्थित होगी। समीक्षा बैठक में बताया गया कि मंत्री श्री सारंग के निर्देशानुसार पूरे खेल परिसर के चारों ओर सड़कों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। साथ ही हरित क्षेत्र के संरक्षण के लिए आधुनिक स्प्रिंकलर सिस्टम विकसित किया जा रहा है तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप फायर सेफ्टी व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा रहा है। परिसर में अग्निशमन उपकरणों की स्थापना, आपातकालीन पहुंच मार्ग तथा अन्य सुरक्षा उपायों को भी प्राथमिकता से पूरा किया जा रहा है। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि खिलाड़ियों एवं आगंतुकों की सुविधा के लिए परिसर में स्थित सभी सार्वजनिक उपयोगिता स्थलों पर स्पष्ट, आकर्षक एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप साइनेज लगाए जाएं। इसके लिए अलग से विस्तृत प्रोजेक्ट प्लान तैयार कर शीघ्र कार्य शुरू किया जाए, ताकि परिसर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को आवश्यक सुविधाओं तक आसानी से पहुंच मिल सके।

भोपाल होकर यशवंतपुर से कोटा के बीच एक तरफा विशेष ट्रेन का संचालन

भोपाल (निप्र)। यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए तथा उन्हें अतिरिक्त यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन ने भोपाल मंडल होकर गाड़ी संख्या 06591 यशवंतपुर-कोटा एकतरफा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन भोपाल मंडल के इटारसी एवं भोपाल होकर जाएगी। यह विशेष ट्रेन 23 जुलाई 2026 (गुरुवार) को यशवंतपुर (बेंगलुरु) से कोटा के लिए वन वे के रूप में संचालित की जाएगी। यह विशेष ट्रेन 23 जुलाई 2026 को प्रात: 07:00 बजे यशवंतपुर स्टेशन से प्रस्थान कर मध्यवर्ती स्टेशनों पर ठहराव कर 24 जुलाई 2026 को दोपहर 14:00 बजे इटारसी पहुंचेगी तथा 14:10 बजे प्रस्थान करेगी इसके बाद ट्रेन 15:00 बजे भोपाल पहुंचेगी और 15:10 बजे प्रस्थान कर रात्रि 22:45 बजे कोटा पहुंचेगी। ठहराव स्टेशन- यशवंतपुर, येलहंका जंक्शन, हिन्दूपुर, धर्मावरम जंक्शन, अनंतपुर, डोन, कुर्नूल सिटी, काचीगुड़ा, काज़ीपेट, बल्लारशाह, नागपुर, इटारसी जंक्शन, भोपाल, सीहोर, शुजालपुर, बेरछा, उज्जैन, नागदा, विक्रमगढ़ आलोट, चौमहला, शामगढ़, भवानीमंडी, कोटा । कोच संरचना- इस विशेष ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए कुल 18 एलएचबी कोच लगाए गए हैं, जिनमें 7 थर्ड एसी कोच, 9 थर्ड एसी इकोनामी कोच तथा 2 लगेज सह गार्ड जनरेटरकार कोच शामिल हैं। नोट-इस स्पेशल ट्रेन के एसी कोच में लिलेन की सुविधा नहीं रहेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे यात्रा से पूर्व आरक्षण की स्थिति एवं ट्रेन के अद्यतन समय की जानकारी NTES, रेलवे हेल्पलाइन 139 अथवा निकटतम रेलवे पूछताछ केंद्र से प्राप्त कर लें।

प्रदेश लोड डिस्पैच सेंटर ने रचा नया कीर्तिमान: मिला अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन

सूचना एवं साइबर सुरक्षा में मध्यप्रदेश की बड़ी उपलब्धि : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के जबलपुर स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी) ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम की है। सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसएमएस) के लिए एसएलडीसी को अंतरराष्ट्रीय स्तर का आईएसओ/आईईसी 27001:2022 प्रमाणन प्राप्त हुआ है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इसे प्रदेश के विद्युत क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि देश के बड़े राज्यों के भार प्रेषण केंद्रों में एसएलडीसी जबलपुर इस प्रमाणन को हासिल करने वाले अग्रणी केंद्रों में शामिल हो गया है। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि दिल्ली स्थित क्वालिटी एशिया सर्टिफिकेशन द्वारा विस्तृत मूल्यांकन एवं ऑडिट के बाद यह प्रमाणन प्रदान किया गया है। ऑडिट में एसएलडीसी की सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पाया गया। श्री तोमर ने कहा कि डिजिटल युग में विद्युत ग्रिड का संचालन पूरी तरह सूचना एवं संचार प्रणालियों पर आधारित है। ऐसे में साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण और परिचालन सूचनाओं की गोपनीयता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। यह प्रमाणन इस दिशा में एमपी ट्रांसको की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पहले भी हासिल कर चुका है राष्ट्रीय पहचान

एसएलडीसी जबलपुर इससे पहले भी कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित कर चुका है। केंद्र को हाल ही में सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली थी। इसके अलावा आधुनिक ग्रिड प्रबंधन, रियल टाइम मॉनिटरिंग, ऊर्जा प्रबंधन तथा अत्याधुनिक संचार प्रणालियों के प्रभावी उपयोग के कारण एसएलडीसी लगातार राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रहा है। प्रदेश में बढ़ती विद्युत मांग के बीच सुरक्षित एवं निर्बाध ग्रिड संचालन सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है।

रियल टाइम ग्रिड ऑपरेशन से लेकर आईटी-ओटी सिस्टम तक हुआ मूल्यांकन

एसएलडीसी जबलपुर के अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी श्री राजेश गुप्ता ने बताया कि प्रमाणन के दायरे में केंद्र के सभी नियमित एवं आउटसोर्स कार्मिक, प्रक्रियाएं तथा सूचना परिसंपत्तियां शामिल थीं।

400 साल पुरानी चोरी हुई तोप की तलाश में राजस्थान पहुंची MP पुलिस, इस गांव में जेसीबी से खुदाई जारी

करौली (ए.) । राजस्थान के करौली जिले के हिंडौन सिटी क्षेत्र से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले स्थित ऐतिहासिक नरवर किले से चोरी हुई करीब 400 वर्ष पुरानी तोप की तलाश में मध्य प्रदेश पुलिस करौली पहुंची है। जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश पुलिस को खुफिया तंत्र से सूचना मिली थी कि चोरी हुई तोप हिंडौन सिटी के गांवड़ा मीणा गांव में छिपाकर रखी गई है। इसी सूचना के आधार पर मध्य प्रदेश पुलिस ने करौली पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई शुरू की है। दोनों राज्यों की पुलिस गांवड़ा मीणा गांव में सघन तलाशी अभियान चला रही है। पुलिस जेसीबी मशीनों की मदद से कई स्थानों पर खुदाई कर रही है, ताकि चोरी हुई तोप का पता लगाया जा सके। तलाशी अभियान में 50 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल हैं। पूरे गांव में पुलिस की गतिविधियां तेज हैं और मामले की गंभीरता को देखते हुए हर संभावित स्थान की जांच की जा रही है।

क्या है मामला ?

मध्य प्रदेश के शिवपुरी के नरवर किले से ऐतिहासिक तोप चोरी होने के मामले में जांच जारी है। जांच एजेंसियों को शक है कि चोरों ने तोप को इसलिए निशाना बनाया क्योंकि उन्हें लगा कि इसमें अष्टधातु यानी आठ धातुओं का मिश्रण है।

उपचुनाव के बीच खेत में उतरे जीतू पटवारी, ट्रैक्टर चलाकर किसानों संग की धान रोपाई की तैयारी

दतिया (ए.)। दतिया विधानसभा उपचुनाव का प्रचार अब सभाओं से निकलकर खेतों तक पहुंच गया है। रविवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का अंदाज सबसे अलग रहा। जनसंपर्क के दौरान वे भाषण देने की बजाय सीधे किसान के खेत में पहुंचे और धान की रोपाई की तैयारी में हाथ बंटाया।

घटना दतिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सोनार की है। जीतू पटवारी अपने जनसंपर्क अभियान के तहत गांव-गांव जा रहे थे। इसी दौरान मुख्य मार्ग के किनारे किसान कालीचरण पटेल के खेत में हलचल दिखी।

खेत में किसान का बेटा जयदीप पटेल ट्रैक्टर से जुताई और धान रोपाई की तैयारी कर रहा था। गाड़ी रुकते ही पटवारी पैदल खेत तक पहुंचे। उन्होंने किसानों का हालचाल पूछा और फिर खुद ट्रैक्टर की सीट पर बैठ गए। कुछ मिनट तक उन्होंने ट्रैक्टर चलाकर खेत में फेरे लगाए। इस दौरान उन्होंने किसानों से खेती-किसानी और उनकी समस्याओं पर भी चर्चा की।

इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया। देखते ही देखते यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। किसान कालीचरण पटेल ने कहा कि चुनाव में तो सभी आते हैं, लेकिन खेत तक आकर मिट्टी से जुड़ने वाला नेता पहली बार देखा। वहीं जयदीप पटेल ने कहा, "रोपाई का समय है। साहब ने खुद पूछा कि क्या दिक्कत है, खाद-बीज समय पर मिल रहा है या नहीं।

ट्रैक्टर से उतरने के बाद जीतू पटवारी ने ग्रामीणों से कहा कि चुनाव सिर्फ वोट का नहीं, बल्कि किसान की जिंदगी को समझने का भी अवसर है।उन्होंने कहा, "धान की रोपाई के समय किसान की मेहनत सबसे ज्यादा होती है। कर्ज, खाद, बिजली और पानी की समस्या हर खेत में दिखाई देती है। कांग्रेस सरकार में हमने किसानों का कर्ज माफ किया था और आगे भी किसानों की आवाज सबसे पहले उठाएंगे। ट्रैक्टर चलाने को लेकर उन्होंने कहा कि मैं गांव में पला-बढ़ा हूं। मिट्टी से कभी दूर नहीं हुआ। आज खेत में आया तो पुराने दिन याद आ गए।

विपिन रघुवंशी ने कहा-सोनम ने मेरे भाई की हत्या की, लेकिन कोर्ट में हमेशा झूठ बोला

इंदौर (ए.) । इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में मृतक के बड़े भाई विपिन रघुवंशी ने आरोप लगाया है कि हत्या की आरोपी सोनम रघुवंशी शुरुआत से ही इस मामले में झूठ बोलती रही है। उन्होंने कहा कि सोनम और उसके परिवार के सदस्यों ने राजा रघुवंशी की हत्या को लेकर हमेशा गलत बयान दिए हैं। विपिन ने कहा कि उन्हें कोर्ट पर पूरा भरोसा है और सोनम को सजा जरूर मिलेगी। यदि कोर्ट उन्हें गवाही या पूछताछ के लिए बुलाएगी तो वे जाने के लिए तैयार हैं। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने सोनम रघुवंशी के आचरण पर सवाल उठाते हुए उसे आत्मसमर्पण कर मुकदमे का सामना करने की सलाह दी। सोनम पर मई 2025 में मेघालय में हनीमून के दौरान अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश रचने का आरोप है। उसने अपने प्रेमी राजा कुशवाह और उसके तीन साथियों के साथ हत्या की साजिश रची थी। अन्य चार आरोपियों ने भी जमानत के लिए कोर्ट में अर्जी लगाई, लेकिन वह नामंजूर हो चुकी है। विपिन ने कहा कि सोनम राजा की हत्या में शामिल है। इसके पुख्ता सबूत हैं, फिर भी वह जमानत पर जेल से बाहर है। सोनम ने मेरे छोटे भाई की हत्या के मामले में शुरू से ही झूठ बोला है। हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और हमें उम्मीद है कि न्याय जरूर मिलेगा। विपिन ने कहा कि वे राजा रघुवंशी की मौत के बाद कई बार मेघालय जा चुके हैं।

महाकाल मंदिर में अब 30 सेकंड में होगी सोना-चांदी की जांच, दान प्रक्रिया के लिए शुरु हुई हाईटेक मशीन

उज्जैन (ए.) । विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल के दरबार में हर साल लाखों श्रद्धालु सोना-चांदी और बहुमूल्य आभूषण दान करते हैं। अब इस दान प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए महाकाल मंदिर समिति नई तकनीक का सहारा ले रही है। मंदिर में अत्याधुनिक कैरेटोमीटर मशीन शुरू की गई है, जो महज 30 सेकंड में सोने-चांदी की शुद्धता और कैरेट की जानकारी दे रही है।

बाबा महाकाल के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था ऐसी है कि देश-विदेश से आने वाले भक्त खुलकर सोना-चांदी और बहुमूल्य आभूषण अर्पित करते हैं। इन्हीं दान की गई वस्तुओं के मूल्यांकन को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए महाकाल मंदिर समिति ने करीब 15 लाख रुपये की अत्याधुनिक कैरेटोमीटर मशीन खरीदी है।

महाकाल मंदिर समिति की सहायक प्रशासक सिम्मी यादव के मुताबिक, यह मशीन एक्स-रे तकनीक पर आधारित है, जो बिना आभूषण को नुकसान पहुंचाए उसकी शुद्धता और कैरेट की जांच करती है। श्रद्धालुओं के सामने ही कुछ ही सेकंड में जांच पूरी होगी और उसी के आधार पर रसीद भी जारी की जाएगी।

दहेज प्रताड़ना केस में हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी, समझौते के बाद मुकदमा जारी रखना कानून का दुरुपयोग

जबलपुर (ए.) । जबलपुर में घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम के तहत समक्ष न्यायालय के समक्ष लंबित मुकदमे वापस लेने की शर्त पर आपसी समझौता हुआ था। आपसी समझौते के बाद भी पत्नी दहेज एक्ट के तहत पति तथा ससुराल पक्ष के खिलाफ दर्ज प्रकरण वापस लेने को तैयार नही थी। हाईकोर्ट जस्टिस हिमांशु जोशी की एकलपीठ ने दहेज एक्ट के तहत दर्ज एफआईआर को निरस्त करते हुए अपने आदेष में कहा है कि सक्षम अदालत में समझौते के बाद आपराधिक मुकदमा जारी रखना उत्पीड़न है।

एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि शिकायतकर्ता ने खिलाफ सामान्य आरोप लगाये है। याचिकाकर्ता सास व ननद के खिलाफ आरोप बहुत सामान्य प्रकृति के हैं। याचिकाकर्ता ननंद शादीशुदा है और जबलपुर में अपने पति के साथ अलग रहती है। ऐसा लगता है कि उसे केवल पति के साथ उसके रिश्ते के कारण फंसाया गया है। आपराधिक मुकदमे को पति के साथ रिश्ते की वजह से रिश्तेदारों के खिलाफ जारी रखने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निवास पर विरोध करने पहुंचे दंपति हिरासत में, पुलिस ने बताया ये कारण

इंदौर (ए.) । इंदौर के नंदा नगर स्थित प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निवास पर विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे प्रहलाद पांडे और उनकी पत्नी संगीता पांडे को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। दोनों दिल्ली में आंदोलनकारियों पर हुए कथित लाठीचार्ज और मंत्री के उस कथित बयान का विरोध करने पहुंचे थे, जिसमें आंदोलनकारियों के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाया गया है।

जानकारी के अनुसार, प्रहलाद पांडे मंत्री के निवास के बाहर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें वहां रुकने से मना किया और स्थान खाली करने के लिए कहा। इस बात को लेकर पुलिस और दंपति के बीच कुछ देर तक बहस हुई। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया। पूरे घटनाक्रम के दौरान करीब 15 मिनट तक मौके पर हंगामे जैसी स्थिति बनी रही, जिसके बाद मामला शांत हो गया।

बयान पर आपत्ति दर्ज कराने पहुंचे थे

हिरासत में लिए जाने से पहले प्रहलाद पांडे और संगीता पांडे ने आरोप लगाया कि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने आंदोलनकारियों के लिए अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हुए उन्हें "कीड़े-मकोड़े" कहा था। उनका कहना था कि वे इसी कथित बयान के विरोध में लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आपत्ति दर्ज कराने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है और उनका प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था।

एहतियातन हिरासत में लिया

वहीं, पुलिस का कहना है कि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय उस समय इंदौर में मौजूद नहीं थे, बल्कि भोपाल में थे। अधिकारियों के अनुसार, मंत्री के निवास और वहां मौजूद परिवार की सुरक्षा को देखते हुए आवश्यक एहतियाती कदम उठाए गए। पुलिस का यह भी कहना है कि दंपति के विरोध के कारण सड़क पर यातायात प्रभावित होने लगा था और जाम की स्थिति बनने लगी थी। इसी कारण दोनों को एहतियातन हिरासत में लिया गया।

घटना के दौरान मंत्री निवास के बाहर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा और पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी गई। पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है, जबकि प्रदर्शनकारी दंपति का कहना है कि उनका विरोध पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक था। इस घटना के बाद राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है।

व्यापार समाचार

बीपीसीएल को 15 साल में पहली बार जून तिमाही में भारी नुकसान, क्यों डूबा मुनाफा?

नई दिल्ली (ए.)। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) को 15 साल में पहली बार तिमाही नुकसान हुआ है। कंपनी ने 30 जून को समाप्त तिमाही के लिए 39.62 अरब रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज किया। पिछले साल इसी अवधि में बीपीसीएल को 61.24 अरब रुपये का मुनाफा हुआ था।

कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने ईंधन विपणन मार्जिन को बुरी तरह प्रभावित किया। वैश्विक ब्रेंट कच्चे तेल की औसत कीमतें एक साल पहले की तिमाही से करीब 45 फीसदी अधिक थीं। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण यह वृद्धि देखी गई। इससे ईंधन विपणन मार्जिन नकारात्मक दायरे में चला गया। ईंधन बेचने से होने वाली कमाई से खुदरा लागत अधिक हो गई।

जेफरीज के विश्लेषकों के अनुसार, तिमाही के दौरान पेट्रोल का विपणन मार्जिन नकारात्मक 10.6 रुपये प्रति लीटर रहा। डीजल का विपणन मार्जिन नकारात्मक 18.4 रुपये प्रति लीटर रहा। कंपनी का कुल खर्च करीब 36 फीसदी बढ़कर 1.66 ट्रिलियन रुपये हो गया। कच्चे माल की खपत की लागत में 68.7 फीसदी की भारी वृद्धि हुई।

ईंधन की मांग क्यों घटी ?

भारत में ईंधन की मांग कमजोर हुई है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता है। अप्रैल में खपत 4.6 फीसदी, मई में 6.5 फीसदी और जून में 3.1 फीसदी सालाना आधार पर घटी। मांग में गिरावट के बावजूद, परिचालन से राजस्व 23 फीसदी से अधिक बढ़कर 1.59 ट्रिलियन रुपये हो गया। यह वृद्धि सरकारी कंपनी को तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) खंड में हुए नुकसान के लिए सरकार से मिली 18.98 अरब रुपये की भरपाई के कारण हुई।

राजस्व में वृद्धि के बावजूद घाटा क्यों ?

मांग में गिरावट के बावजूद, बीपीसीएल का परिचालन राजस्व 23 फीसदी से अधिक बढ़कर 1.59 ट्रिलियन रुपये हो गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से सरकार से मिली भरपाई के कारण हुई। सरकार ने तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) खंड में हुए नुकसान के लिए 18.98 अरब रुपये का मुआवजा दिया। हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विपणन मार्जिन में भारी गिरावट ने इस राजस्व वृद्धि को बेअसर कर दिया। परिणामस्वरूप, कंपनी को कुल मिलाकर शुद्ध घाटा उठाना पड़ा।

आसुस का नया आसुस पीएडी भारत में लांच

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय बाजार में आसुस कंपनी ने फिर टैबलेट सेगमेंट में वापसी करते हुए नया आसुस पीएडी लॉन्च किया है। कंपनी ने फिलहाल इस टैबलेट की कीमत का खुलासा नहीं किया है, लेकिन आसुस पीएडी की बिक्री 6 अगस्त को दोपहर 12 बजे से शुरू होगी। इसे फ्लिपकार्ट, आसुस ई-शॉप, आसुस और आरओजी स्टोर्स, रिलायंस डिजिटल और कंपनी के अधिकृत रिटेल स्टोर्स से खरीदा जा सकेगा। यह टैबलेट छात्रों, पेशेवरों और मनोरंजन पसंद करने वाले यूजर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें एक बड़ी ओलेड स्क्रीन, शक्तिशाली प्रोसेसर और लंबी बैटरी लाइफ जैसे कई प्रीमियम फीचर्स दिए गए हैं। आसुस पीएडी में 12.2 इंच का 2.8के ओलेड डिस्प्ले दिया गया है, जिसका रिफ्रेश रेट 144एचझेड है। स्क्रीन की पीक ब्राइटनेस 2000 निट्स तक जाती है, जिससे तेज धूप में भी कंटेंट आसानी से देखा जा सकता है।

लावा अपनी विराट वी 1 सीरीज को भारत में जल्द करेगी लांच

नई दिल्ली (ए.)। स्मार्टफोन निर्माता कंपनी लावा अपनी बहुप्रतीक्षित विराट वी 1 सीरीज को जल्द लॉन्च करने जा रही है। ग्राहकों को इस सीरीज में कम बजट में शानदार फीचर्स मिलने वाले हैं। इस सीरीज में लावा विराट वी1 5जी और लावा विराट वी1 4जी मॉडल शामिल होंगे, जिन्हें कम बजट में शानदार फीचर्स के साथ पेश किया जाएगा।

लॉन्च से पहले ही कंपनी ने इन दोनों स्मार्टफोन के कई प्रमुख स्पेसिफिकेशन्स की पुष्टि कर दी है, जिनमें 120एचझेड डिस्प्ले, एआई कैमरा, आईपी64 रेटिंग और दमदार बैटरी शामिल हैं। ये स्मार्टफोन विशेष रूप से फ्लिपकार्ट पर बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। दोनों स्मार्टफोन में 6.75 इंच का एचडी प्लस डिस्प्ले मिलेगा, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ आएगा, जिससे स्क्रॉलिंग और गेमिंग का अनुभव बेहद स्मूथ रहेगा। धूल और हल्के पानी के छींटों से सुरक्षा के लिए इनमें आईपी64 रेटिंग दी गई है। सिक्योरिटी के लिए साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर और फेस अनलॉक का सपोर्ट भी मिलेगा।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली (ए.)। घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतें बढ़ती जा रही हैं। बुधवार को भी इन दोनो ही कीमती धातुओं में तेजी रही। आज एमसीएक्स पर 10 ग्राम सोने की कीमतें

1597 रुपए की तेजी के साथ 1,44,480 रुपए पर पहुंच गयीं। वहीं चांदी की कीमत में भी करीब 2376 रुपए की तेजी रही। अब एक किलोग्राम चांदी 2,26,155 रुपए पर आ गयी है।

वहीं सर्राफा बाजार में मंगलवार को हाजिर मांग में तेजी और मजबूत वैश्विक रुख के कारण सोने की कीमतों में 800 रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 800 रुपए बढ़कर 1,47,700 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई। सोमवार को यह 1,46,900 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी की कीमत 2,21,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर बनी रहीं। पर स्थिर रही।

ऐपल की मैकबुक और आईपैड पर मुफ्त एक्सेसरीज का ऑफर

नई दिल्ली (ए.)। भारत में ऐपल ने अपनी बहुप्रतीक्षित बैक टू स्कूल सेल 2026 शुरू कर दी है। कंपनी इस सेल में छात्रों, शिक्षकों और शिक्षा से जुड़े अन्य पेशेवरों के लिए शानदार डील्स और मुफ्त उपहार लेकर आई है। इस सेल में मैकबुक, आईपैड और मैकबुक नियो जैसे ऐपल उत्पादों पर एजुकेशन डिस्काउंट के साथ मुफ्त एयरपॉड्स, ऐपल पेंसिल प्रो और एयरटैग्स जैसे आकर्षक उपहार मिल रहे हैं। यह सेल 27 अगस्त तक चलेगी। यह उन सभी के लिए एक शानदार अवसर है जो नया ऐपल डिवाइस खरीदने की योजना बना रहे हैं।

इस ऑफर का लाभ केवल कॉलेज के छात्र ही नहीं, बल्कि स्कूल या कॉलेज के शिक्षक, स्टाफ और अपने बच्चों के लिए ऐपल डिवाइस खरीदने वाले माता-पिता भी एजुकेशन स्टोर के माध्यम से उठा सकते हैं। अगर आप नया मैकबुक एयर एम5 खरीदते हैं, जिसकी शुरुआती कीमत रुपए 1,37,900 है, तो आपको मुफ्त एयरपॉड्स 4 या 4 एयरटैग्स का पैक चुनने का विकल्प मिलेगा। ग्राहक थोड़ी अतिरिक्त राशि देकर एयरपॉड्स 4 को सिर्फ रूपए 5,000 में या एयरपॉड्स प्रो 3 को सिर्फ रूपए 13,000 में अपग्रेड भी कर सकते हैं। मैकबुक प्रो के सभी मॉडल, जिनमें एम5, एम5 प्रो और एम5 मैक्स शामिल हैं, भी इस ऑफर के दायरे में आते हैं और उनके साथ भी मुफ्त एयरपॉड्स 4 या एयरटैग्स का विकल्प उपलब्ध है।

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट; सेंसेक्स 715 अंक लुढ़का, निफ्टी फिसलकर 24000 के नीचे आया

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी करीब एक फीसदी तक लुढ़क गए। कच्चे तेल के दामों में तेज उछाल और बैंक शेयरों में भारी बिकवाली इसकी मुख्य वजह रही।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 715.06 अंक यानी 0.92 फीसदी गिरकर 76,755.05 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान यह 828.92 अंक या 1 फीसदी तक गिरकर 76,641.19 अंक पर आ गया था। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 191.45 अंक या 0.79 फीसदी की गिरावट के साथ 23,996.25 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स समूह में इंटरग्लोब एविएशन, इंफोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक प्रमुख पिछड़ने वाले शेयर रहे। हालांकि, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एनटीपीसी, पावर ग्रिड और टाइटन बढ़त के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 4.68 फीसदी उछलकर 95.27 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

बाजार में गिरावट के मुख्य कारण क्या रहे ?

एनरिच मनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पोनमुडी आर ने बताया कि कच्चे तेल के दामों में तेज बढ़ोतरी हुई। मध्य पूर्व में लगातार भू-राजनीतिक तनाव भी बना हुआ है। इन कारणों से निवेशक जोखिम से बचने के तरीके में रहे। प्रमुख सूचकांकों पर पूरे सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव देखा गया। अधिकांश क्षेत्रों में व्यापक गिरावट दर्ज की गई। इसने पहली तिमाही के आय सत्र की उत्साहजनक शुरुआत को फीका कर दिया।

निवेशकों की धारणा पर किन बातों का असर पड़ा ?

निवेशकों का ध्यान समष्टि आर्थिक पृष्ठभूमि पर बना रहा। कच्चे तेल के बढ़ते दामों ने धारणा को प्रभावित किया। संभावित अमेरिकी शुल्क को लेकर भी नई चिंताएं पैदा हुईं। विशेष रूप से फार्मास्युटिकल आयात पर शुल्क लगने की आशंका थी। इन सभी कारकों ने बाजार की धारणा पर भारी असर डाला।

सम्पादकीय

लाठी और आंसू गैस

'कॉकरोचों' को थका देने या उनके आंदोलन में पाकिस्तान या चीन के हाथ जैसे नैरेटिव्स के प्रचार से असली सवाल खत्म नहीं होंगे। बल्कि ऐसी सोच से ये प्रश्न व्यवस्था से मोहभंग का कारण बन सकते हैं।

पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था की खामियों के लिए जवाबदेही की मांग करने राजधानी आए छात्र-नौजवानों का बड़ा हिस्सा यह देखकर भौंचक था कि जो पुलिस उनके लिए है, वही उन पर बेरहमी से लाठी क्यों चला रही है? उनकी बात सुनने के बजाय उन पर आंसू गैस के गोले क्यों दागे जा रहे हैं? किशोर वय छात्र-छात्राएं इस सवाल में उलझे नजर आए कि लोकतंत्र में अपनी बात कहने से उन्हें क्यों रोका जा रहा है? इतना सब कुछ हो चुकने के बावजूद किसी को जवाबदेह क्यों नहीं बनाया गया है? उन्हें यह देखकर भी हैरत हुई कि जब राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने उनकी बात और उन पर पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाने की कोशिश की, तो मिनट भर के अंदर सदन को ही स्थगित कर दिया गया।

इससे सवाल उठा कि संसद छात्र-नौजवान या जन समुदाय के किसी अन्य हिस्से को चिंताओं को व्यक्त और उन पर विचार-विमर्श का मंच अगर नहीं रह गई है, तो फिर पाठ्यपुस्तकों के जरिए प्रातिनिधिक लोकतंत्र के पढ़ाए गए तमाम गुण क्या महज किताबी हैं? अलग-अलग राज्यों के छोटे-बड़े शहरों में दिल्ली की घटनाओं के खिलाफ हुए स्वत:स्फूर्त विरोध प्रदर्शनों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये सवाल दूर-दराज तक पहुंच गए हैं। 'कॉकरोचों' को थका देने या उनके आंदोलन में पाकिस्तान या चीन के हाथ जैसे नैरेटिव्स के प्रचार से ये सवाल खत्म नहीं होंगे। बल्कि ऐसी सोच से ये प्रश्न व्यवस्था से गहरे मोहभंग का कारण बन सकते हैं।

इसलिए सत्ता पक्ष को जन असंतोष से निपटने के पुराने तौर-तरीकों से बाहर निकलना चाहिए। दिल्ली में युवाओं की जैसी अप्रत्याशित भीड़ उमड़ी, वह संकेत है कि वो तौर-तरीके अब तेजी से असर खो रहे हैं। इसलिए असल सवालों से आंख मिलाने की जरूरत है। शिक्षा, अर्थव्यवस्था, एवं सामाजिक माहौल की परत-दर-परत दरकती ईंटों ने वो हालत पैदा की है, जिसमें छात्र-नौजवानों के सामने अवसरहीनता की विकट स्थिति खड़ी हुई है और उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय लगने लगा है। उसी से उपजी हताशा का प्रतीकात्मक विस्फोट दिल्ली की सड़कों पर हुआ- इसे समझने की जरूरत है।

वंदे मातरम विधेयक 2026 -राष्ट्रीय सम्मान या अनिवार्य देशभक्ति? -संसद में घमासान ज़ारी, विपक्ष का विरोध और संविधान पर छिड़ी बड़ी बहस

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में जुलाई 2026 का मानसून सत्र केवल राजनीतिक टकराव के लिए ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्रतीकों की संवैधानिक स्थिति को लेकर शुरू हुई एक नई बहस के कारण भी लंबे समय तक याद किया जा सकता है। 20 जुलाई 2026 को जब यह विधेयक संसद में प्रस्तुत किया गया,उसी समय विपक्ष ने इसके विरोध में तीखी आपत्ति दर्ज कराई। विभिन्न विपक्षी दलों ने इसे असंवैधानिक बताते हुए अन्य तात्कालिक मुद्दों पर चर्चा की मांग की। सदन में लगातार हंगामा होता रहा और विधेयक पर विस्तृत चर्चा प्रारंभ नहीं हो सकी। 21 जुलाई 2026 तक की संसदीय स्थिति के अनुसार यह विधेयक प्रस्तुत तो हो चुका था, किंतु उस पर विचार- विमर्श और आगे की विधायी प्रक्रिया गतिरोध के कारण आगे नहीं बढ़ सकी। अर्थात विधेयक अभी कानून नहीं बना है और उसे संसद के दोनों सदनों से पारित होकर राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त करना शेष है।केंद्र सरकार द्वारा राज्यसभा में प्रस्तुत राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 ने संसद से लेकर न्यायपालिका,संविधान विशेषज्ञों,राजनीतिक दलों, शिक्षाविदों और अंतरराष्ट्रीय मीडिया तक व्यापक चर्चा को जन्म दिया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि प्रस्तावित संशोधन का मूल उद्देश्य राष्ट्रगीत वंदे मातरम को वही वैधानिक संरक्षण प्रदान करना है जो अब तक राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान जन गण मन को प्राप्त है।यदि यह विधेयक वर्तमान स्वरूप में कानून बनता है तो किसी व्यक्ति द्वारा जानबूझकर वंदे मातरम का अपमान करना, उसके गायन में बाधा डालना अथवा सार्वजनिक कार्यक्रम में उसका अनादर करना तीन वर्ष तक के कारावास जुर्माने या दोनों से दंडनीय अपराध बन सकता है। यहीं से वह संवैधानिक प्रश्न प्रारंभ होता है जिसने पूरे देश में चर्चा को जन्म दिया है,क्या यह राष्ट्रीय सम्मान को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है?,या फिर यह देशभक्ति को कानून के माध्यम से अनिवार्य बनाने का प्रयास माना जाएगा?

साथियों, मीडिया में आई जानकारी के अनुसार सरकार का पक्ष अत्यंत स्पष्ट है। केंद्र का कहना है कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहा है। अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष के दौरान लाखों स्वतंत्रता सेनानियों ने इसी गीत को प्रेरणा का स्रोत बनाया। अनेक क्रांतिकारी फांसी के फंदे पर चढ़ते समय वंदे मातरम का उद्घोष करते थे। संविधान सभा के अंतिम चरण में 24 जनवरी 1950 को तत्कालीन अध्यक्ष डॉ.

-सरकार-विपक्ष आमने-सामने - समग्र व्यापक विश्लेषण

राजेंद्र प्रसाद ने स्पष्ट किया था कि जन गण मन राष्ट्रगान होगा जबकि वंदे मातरम को समान सम्मान प्राप्त रहेगा। सरकार का तर्क है कि स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी ऐतिहासिक भूमिका को देखते हुए अब समय आ गया है कि इसे भी वैधानिक सुरक्षा प्रदान की जाए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति जानबूझकर इसका अपमान न कर सके। सरकार यह भी कह रही है कि यह संशोधन किसी व्यक्ति की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करने के लिए नहीं, बल्कि सटीकता से राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा के लिए लाया गया है।साथियों, यह विधेयक वास्तव में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में संशोधन का प्रस्ताव है। वर्तमान अधिनियम मुख्य रूप से राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान के अपमान को दंडनीय बनाता है। प्रस्तावित संशोधन के बाद पहली बार राष्ट्रगीत वंदे मातरम को भी इसी श्रेणी में शामिल किया जाएगा। इसके अनुसार यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रगीत का अपमान करता है, उसके गायन में व्यवधान उत्पन्न करता है, किसी सार्वजनिक समारोह में उसे रोकने का प्रयास करता है या उसके सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली गतिविधि करता है, तो उसके विरुद्ध आपराधिक कार्रवाई की जा सकेगी। सरकार का कहना है कि यह संशोधन केवल जानबूझकर किए गए अपमान पर लागू होगा, यह सटीकता से सामान्य परिस्थितियों अथवा व्यक्तिगत विवेक पर नहीं। साथियों, लेकिन यही वह बिंदु है जहां से संवैधानिक विवाद प्रारंभ होता है। विपक्ष का कहना है कि संविधान सभा ने जानबूझकर राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के बीच कानूनी अंतर बनाए रखा था। यदि संविधान निर्माताओं की मंशा दोनों को समान कानूनी दर्जा देने की होती तो संविधान में उसी समय इसका स्पष्ट उल्लेख किया जाता। विपक्षी दलों, विशेषकर सीपीआई (एम), का आरोप है कि सरकार संविधान सभा की मूल भावना को बदलने का प्रयास कर रही है। उनके अनुसार देशभक्ति एक भावनात्मक और नैतिक मूल्य है, जिसे कानून के माध्यम से लागू नहीं किया जा सकता। उनका कहना है कि यदि किसी नागरिक के व्यक्तिगत या धार्मिक विश्वास के कारण वह राष्ट्रगीत नहीं गाना चाहता, तो उसे अपराधी नहीं बनाया जा सकता।

साथियों, सीपीआई (एम) के राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर इस विधेयक को वापस लेने की मांग की। पत्र में कहा गया कि संविधान सभा ने बहुत सोच-समझकर राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत की अलग- अलग संवैधानिक स्थिति निर्धारित की थी। पत्र में यह भी कहा गया कि भारत का संविधान नागरिकों को अंतरात्मा की स्वतंत्रता तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है। ऐसे में किसी गीत को कानून के माध्यम से अनिवार्य सम्मान दिलाने का प्रयास भविष्य में संवैधानिक विवादों को जन्म दे सकता है। विपक्ष का तर्क है कि राष्ट्रीय सम्मान और राष्ट्रीय अनिवार्यता के बीच सटीकता से संतुलन बनाए रखना लोकतंत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता है। साथियों, इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पक्ष धार्मिक और ऐतिहासिक संदर्भ है। वंदे मातरम मूलत: बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास आनंदमठ का हिस्सा है। गीत के प्रारंभिक दो अंतरे व्यापक रूप से स्वीकार किए जाते हैं, जबकि बाद के अंशों में मां दुर्गा सहित कुछ धार्मिक प्रतीकों का उल्लेख मिलता है। इतिहास में कई मुस्लिम संगठनों तथा अन्य अल्पसंख्यक समुदायों ने इन्हीं धार्मिक संदर्भों के आधार पर इसके पूर्ण गायन पर आपत्ति व्यक्त की थी। संविधान सभा ने भी इन ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए केवल प्रारंभिक अंशों को सार्वजनिक उपयोग के लिए स्वीकार किया था। आलोचकों का कहना है कि यदि इस विधेयक के बाद किसी नागरिक की धार्मिक मान्यता और कानून के बीच टकराव उत्पन्न होता है, तो न्यायपालिका को अत्यंत जटिल संवैधानिक प्रश्नों का सटीकता से सामना करना पड़ सकता है। साथियों, इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय का 1986 का ऐतिहासिक निर्णय बिजोए इमैनुएल बनाम केरल राज्य बार-बार चर्चा में आ रहा है। इस मामले में यहोवा विटनेस समुदाय के तीन छात्रों ने धार्मिक विश्वास के कारण राष्ट्रगान नहीं गाया था, हालांकि वे सम्मानपूर्वक खड़े रहे। विद्यालय ने उन्हें निष्कासित कर दिया,लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि किसी नागरिक को उसकी अंतरात्मा के विरुद्ध राष्ट्रगान गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।

कोयंबटूर मॉडल – जंगल, इंसान और भविष्य के बीच संतुलन की तलाश

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

जब जंगल अपनी खामोशी खोने लगें, तो समझना चाहिए कि प्रकृति और विकास का संतुलन बिगड़ चुका है। भारत आज इसी संकट से जूझ रहा है। सिमटते जंगल, बढ़ती आबादी, जलवायु परिवर्तन और विकास परियोजनाएँ वन्यजीवों के पारंपरिक मार्ग बाधित कर रही हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ रहा है। तमिलनाडु इसका बड़ा उदाहरण है, जहाँ 2015 से जुलाई 2025 तक वन्यजीवों के हमलों में 685 लोगों की मृत्यु हुई, जिनमें 522 हाथियों के हमलों से हुईं। कोयंबटूर, नीलगिरि और पश्चिमी घाट इस संघर्ष के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। समाधान की दिशा में डब्ल्यूआईआई और सलीम अली सेंटर फ़ॉर ऑर्निथोलॉजी एंड नैचुरल हिस्ट्री (साकॉन) के सहयोग से कोयंबटूर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन ह्यूमन-वाइल्डलाइफ कॉन्फ्लिक्ट मैनेजमेंट स्थापित किया गया है। अब देखना है कि यह पहल संघर्ष घटाएगी या अन्य योजनाओं की तरह सरकारी अभिलेखों तक सिमट जाएगी। यह संकट केवल आँकड़ों का नहीं, बल्कि उन हजारों परिवारों का है जिनके लिए हर रात भय लेकर आती है। हाथी फसलें उजाड़ते हैं, तेंदुए पालतू पशुओं का शिकार करते हैं और जंगली सूअर किसानों की मेहनत पर पानी फेर देते हैं। भय अब जंगलों से निकलकर ग्रामीण जीवन का हिस्सा बन चुका है। बच्चों का स्कूल जाना, किसानों का खेतों तक पहुँचना और महिलाओं का शाम बाद घर से निकलना प्रभावित है। कोयंबटूर मानव-हाथी संघर्ष का सबसे संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, प्राकृतिक आवासों का विनाश, अनियंत्रित विकास, वन गलियारों का टूटना और एल-नीनो से बढ़ा सूखा वन्यजीवों को बस्तियों की ओर धकेल रहा है। यहीं से उस संघर्ष की शुरुआत होती है, जिसकी कीमत अंतत: मनुष्य और वन्यजीव—दोनों चुकाते हैं।

सोनम वांगचुक और गणतंत्र की नैतिक परीक्षा

सतीश झा

सोनम वांगचुक का आंदोलन एक प्रश्नपत्र से आगे बढ़ जाता है। वे केवल परीक्षा प्रणाली की जवाबदेही नहीं माँग रहे। वे उस सोच पर प्रश्न उठा रहे हैं, जिसने शिक्षा को छँटनी की मशीन बना दिया है। उनके भीतर छिपा प्रश्न कहीं बड़ा है—क्या भारत अपने युवाओं का भविष्य बना रहा है, या केवल उनका क्रम तय कर रहा है? यही प्रश्न उनके पूरे सार्वजनिक जीवन को समझने की कुंजी भी है।

लोकतंत्र जब नागरिक से उसकी जान माँगने लगे

लोकतंत्र की सबसे बड़ी विफलता तब नहीं होती, जब सरकार कोई गलत फैसला ले। सरकारें गलतियाँ करती हैं और उन्हें सुधारने का अवसर भी होता है। असली विफलता तब होती है, जब किसी नागरिक को अपनी बात सुनाने के लिए अपने शरीर को ही आखिरी तर्क बनाना पड़े। किसी भी गणतंत्र में ऐसा नहीं होना चाहिए कि सत्ता किसी नागरिक की बात तब सुने, जब डॉक्टर चेतावनी दे चुके हों, अदालत हस्तक्षेप कर चुकी हो और उसका शरीर जवाब देने लगा हो। राज्य के भीतर कहीं न कहीं ऐसा दरवाज़ा अवश्य होना चाहिए, जहाँ किसी नागरिक की गंभीर और सार्वजनिक महत्व की शिकायत इसलिए सुनी जाए कि वह न्यायसंगत है, इसलिए नहीं कि वह मरने के कगार पर पहुँच गया है।

18 जुलाई 2026 को सोनम वांगचुक को दिल्ली के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इक्कीस दिन के उपवास ने उनके शरीर को बुरी तरह तोड़ दिया था। उन्होंने 28 जून को आमरण अनशन शुरू किया था। उनका संघर्ष किसी व्यक्तिगत लाभ के

लिए नहीं था। वे उन लाखों युवाओं के पक्ष में खड़े थे, जिनका विश्वास प्रश्नपत्र लीक और प्रतियोगी परीक्षाओं की अव्यवस्था ने तोड़ दिया। दिल्ली हाईकोर्ट को भी उनके स्वास्थ्य की निगरानी का निर्देश देना पड़ा। एक ऐसा प्रश्न, जिसका उत्तर लोकतांत्रिक संवाद से दिया जाना चाहिए था, धीरे-धीरे एक नागरिक की शारीरिक सहनशक्ति और राज्य की संवेदनशीलता की परीक्षा बन गया।पहली नज़र में यह विवाद केवल प्रश्नपत्र लीक का दिखाई देता है। परीक्षा रद्द हुई, अनियमितताओं के आरोप लगे, जवाबदेही की माँग उठी और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक की आवाज़ पहुँची। यह सब गंभीर है, क्योंकि प्रश्नपत्र लीक केवल परीक्षा में धांधली नहीं है। यह उस भरोसे की हत्या है, जिसके सहारे करोड़ों युवा वर्षों तक तैयारी करते हैं। राज्य उनसे वादा करता है कि मेहनत और योग्यता का निष्पक्ष मूल्यांकन होगा। प्रश्नपत्र लीक उसी वादे का विश्वासघात है।

लेकिन यदि हम यहीं रुक जाएँ, तो सबसे बड़ा प्रश्न छूट जाएगा।

मान लीजिए भारत की हर परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष हो जाए। कहीं कोई प्रश्नपत्र लीक न हो, कोई नकल न हो, कोई भ्रष्टाचार न हो। क्या तब हमारी शिक्षा व्यवस्था सफल मानी जाएगी?

उत्तर शायद फिर भी 'नहीं' होगा।

क्योंकि परीक्षा और शिक्षा एक ही चीज़ नहीं हैं।

परीक्षा चुनती है, शिक्षा बनाती है। परीक्षा यह तय करती है कि सौ उम्मीदवारों में एक कौन आगे जाएगा। शिक्षा का दायित्व यह है कि सौ में सौ अपनी पूरी क्षमता तक पहुँच सकें। भारत ने इन दोनों के बीच का अंतर धीरे-धीरे भुला दिया है। हमने शिक्षा को प्रतियोगी परीक्षा का पर्याय बना दिया है। हर समस्या का समाधान हमें परीक्षा सुधार में दिखाई देता है—सुरक्षा बढ़ाइए, कैमरे लगाइए, डिजिटल निगरानी कीजिए, प्रश्नपत्र और सुरक्षित कर दीजिए। यह सब आवश्यक है, लेकिन पर्याप्त नहीं।

असल प्रश्न यह है कि बाकी निन्यानवे युवाओं का क्या होगा? आज अधिकांश प्रतियोगी परीक्षाएँ ज्ञान का उत्सव नहीं, अवसरों की कमी का प्रबंधन बन गई हैं। जब एक सीट के लिए हजारों उम्मीदवार खड़े हों, तो परीक्षा योग्यता जितनी नहीं, दुर्लभ अवसरों की चौकीदारी उतनी करती है। वह कुछ लोगों को सफलता का प्रमाणपत्र देती है और बाकी लाखों को असफलता का बोझ। फिर व्यवस्था बड़ी सहजता से कह देती है कि दूसरा उम्मीदवार अधिक योग्य था। बहुत कम लोग यह पूछते हैं कि सौ योग्य युवाओं के लिए अवसर केवल एक ही क्यों था।

धीरे-धीरे व्यवस्था की विफलता व्यक्ति की विफलता में बदल दी जाती है। असफल छात्र से कहा जाता है कि वह और मेहनत करे, बेहतर कोचिंग ले, एक बार फिर प्रयास करे। लेकिन राज्य से यह नहीं पूछा जाता कि उसने पर्याप्त अवसर क्यों नहीं बनाए। शिक्षा का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को सक्षम बनाना है; प्रतियोगी परीक्षा का उद्देश्य उनमें से कुछ को अलग कर देना। यही दोनों के बीच का सबसे बुनियादी अंतर है।यहीं से सोनम वांगचुक का आंदोलन एक प्रश्नपत्र से आगे बढ़ जाता है। वे केवल परीक्षा प्रणाली की जवाबदेही नहीं माँग रहे। वे उस सोच पर प्रश्न उठा रहे हैं, जिसने शिक्षा को छँटनी की मशीन बना दिया है। उनके भीतर छिपा प्रश्न कहीं बड़ा है—क्या भारत अपने युवाओं का भविष्य बना रहा है, या केवल उनका क्रम तय कर रहा है? यही प्रश्न उनके पूरे सार्वजनिक जीवन को समझने की कुंजी भी है।सोनम वांगचुक ने अपनी यात्रा विरोध से नहीं, निर्माण से शुरू की। मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद उन्होंने 1988 में लद्दाख में SECMOL की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें लगा कि वहाँ के बच्चे प्रतिभा के अभाव में नहीं, बल्कि ऐसी शिक्षा व्यवस्था के कारण असफल घोषित किए जा रहे हैं, जो उनकी भाषा, उनके भूगोल और उनके जीवन से बिल्कुल अनजान है। बाद में उन्होंने जल संरक्षण, निष्क्रिय सौर ऊर्जा, टिकाऊ निर्माण और आइस स्तूप जैसी तकनीकों पर काम किया। उनका तरीका हमेशा एक जैसा रहा—पहले समस्या को समझो, फिर उसका समाधान विकसित करो और अंत में स्वयं उसकी जिम्मेदारी उठाओ। इसी काम ने उन्हें 2018 का रैमन मैग्सेसे पुरस्कार दिलाया।

वृष राशि-आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आप बिजनेस के सिलसिले में बाहर कहीं यात्रा पर जा सकते हैं। इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर आ सकते हैं। आज पूरा समय परिवार वालों के साथ बिताने के लिये भी प्लान कर सकते हैं।

मिथुन राशि-आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। अध्यात्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ने से आज आपमे विनम्रता भाव आएगा। युवा वर्ग का अपने किसी प्रोजेक्ट को लेकर किया गया प्रयास आज सफल रहेगा। व्यवसायिक काम आज आसानी से बनते जाएंगे, लेकिन प्रतिस्पर्धा का सामना भी करना पड़ सकता है।

कर्क राशि-आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ खास लोगों से मुलाकात का अवसर मिलेगा घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी में व्यस्त रहेंगे। आज व्यापार की गति थोड़ी धीमी होगी, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। आज बच्चे आपको कारोबार में पूरा सपोर्ट करेंगे। आज ऑफिस में किसी काम को लेकर जल्दबाजी करने से बचें,धैर्य के साथ काम करें सफलता अवश्य मिलेगी।

सिंह राशि-आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। आर्किटेक के क्षेत्र जुड़े लोगों को आज अच्छा अवसर मिल सकता है। कुछ समय अपनी रुचि वाले कामों में बिताने से नई ऊर्जा और स्फूर्ति महसूस होगी।

कन्या राशि-आज का दिन सबसे अच्छा रहने वाला है। आज आपके आत्मविश्वास और मनोबल के आगे विरोधी टिक नहीं पाएंगे। रुका हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वसूल करने के लिए आज समय अनुकूल है। संगीत और कला से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, फिल्म इंडस्ट्री से आज आपको ऑफर भी मिल सकता है। घर में लक्ष्मी के रुप में नए मेहमान के आने की खुशी में छोटी-सी पार्टी हो सकती है।

तुला राशि-आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आप दिनभर घर की व्यवस्था और सुधार से जुड़े कामों में व्यस्त रहेंगे और आज बच्चों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान करने से उनका आत्मबल बढ़ेगा। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका योगदान बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप फीजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे तो आपके भविष्य के लिए पैसे इकट्ठे करने में आसानी होगी। आज आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत रहेगा।

धनु राशि-आज का दिन सामान्य रहने वाला है। अगर आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं तो वह आज समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आज आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है। आज किसी भी अनजान व्यक्ति से बात करते समय सही भाषा का प्रयोग करें। मशीनरी आदि से जुड़े कारोबार कर रहे लोग आज लाभदायक स्थिति में रहेंगे।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ होने के असार है। अपने कर्म और पुरुषार्थ से आज आपको बड़ी उपलब्धियां हासिल होंगी।

कुंभ राशि-आज के दिन धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और आपकी धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। अगर आप नौकरी कर रहें तो आज ट्रांसफर किसी अच्छी जगह पर हो सकता है। पारिवारिक कामों को करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा।

आगे कुँआ, पीछे मोदी

शंकर शरण

बेचारे हिन्दू दोहरी चोट झेल रहे हैं — संघ-परिवार का विश्वासघात और ब्लैकमेलिंग। क्या इस से आगे कोई फर्क पड़ेगा? नहीं, राजा बाबू ने सब प्रबंध कर लिया है। कहीं कोई छिद्र नहीं छोड़ा। चाहे संवैधानिक संस्थाओं, रेफरियों पर धब्बा लगता रहे। लिहाजा चुनावी फुटबॉल का नेशनल कप वही जीतते रहेंगे। बाकी इंडिया बस वाचता रहेगा! यह सब समाज को खोखला करते जाने की कीमत पर। बस कप हाथ में रहे, चाहे वास्तविक खेल केवल कागजी हो जाए। एक अर्थ में यह संघ-परिवार का ही तर्क है। तेईस साल पहले, 2003 में इसे 'टीना' (TINA) कहा गया था — देयर इज नो अल्टरनेटिव — यानी, भाजपा का कोई विकल्प नहीं है। इसलिए, ऐ देशवासियो, भाजपा को समर्थन दो! क्योंकि और किसे दोगे? कांग्रेस नेता को तो बोलना भी नहीं आता, कागज देख-देख पढ़ती है। बल्कि, जब तक यह बेचारी कांग्रेस की नेता है — तब तक भाजपा को चिन्ता की भी जरूरत नहीं! कौन 'इंडिया शाइनिंग' कर देने वाली भाजपा के बदले उस अटपटी कांग्रेस नेता को समर्थन देगा!उक्त दलील 2004 के आरंभ तक इतनी दुहराई जाती रही थी, कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उस वर्ष चुनाव से पहले कहा चुनाव में क्या होना है; कोई कांप्टीशन ही नहीं है! तब से भाजपा नेता काफी बदल गये हैं। कुछ मामलों में अधिक होशियार, कुछ मामलों में और माशाअल्लाह। अगला चुनाव जीतने वाली सब तकनीकी कमियाँ इन्होंने दूर कर ली हैं, जिन पर किसी का ध्यान भी नहीं गया था। जिस में मुख्य यह कि मैच जीतने का सब से सुरक्षित तरीका है कि सामने कोई टीम ही न हो। यानी, सामने टीम न बनने दो! प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों में किसी को लुभा कर, किसी को डरा कर, किसी को फँसा कर, उस टीम से दूर रखो जो चुनौती दे सकती हो। अपनी टीम में भी कैप्टन बनने योग्य खिलाड़ियों को बाहर कर दो। बस, घुमा-फिरा कर वह वातावरण बनाना: जिसे 'टीना' कह लीजिए — कि भई और है कौन जिसे समर्थन दोगे!

दूसरी ओर, माशाअल्लाह यह कि दस वर्ष पहले संघ-भाजपाइयों द्वारा जो ऊँची-ऊँची उपलब्धि की बात कही जाती थी, अब उन में किसी का नाम तक नहीं लिया जाता। भ्रष्टाचार-मुक्ति, स्वदेशी आर्थिकी, दुनिया में प्रभाव, चीन को झुकाना, और — एक आकस्मिक नया लक्ष्य: 'कांग्रेस मुक्त भारत' और 'माँ-बेटे को जेल पहुँचाना' — यह सब अब भक्त भी नहीं दुहराते।

पूरे देश ने देखा कि चीन कहाँ है, और अपने राम क्या हैं। बगल बंगलादेश में हिन्दुओं का कत्ल, अपमान, मंदिर-ध्वंस होता रहा है — और अपने राजा के मुँह से एक शब्द तक नहीं निकला। जबकि कांग्रेस राज में बंगलादेश के हिन्दुओं के लिए संघ-परिवार यहाँ सरकार से दर्जन भर माँगे करता था। उस में संयुक्त राष्ट्र में मुद्दा उठाना भी था!

यह उदाहरण है कि सारी बातें हवाबाजी थी। इसीलिए उन के कार्यकर्ता भी अब चुप हैं। सब जान चुके कि इन तिलों में तेल नहीं। कुछ विषयों में स्थिति पहले से बदतर हुई है। शिक्षा क्षेत्र इस का खुला उदाहरण है। विशिष्ट संस्थानों की स्वायत्तता भी छिन गई है। विद्या, विद्यार्थी, अध्यापक, स्नातक, सर्टिफिकेट या अवार्ड की गुणवत्ता का जिम्मेदार कोई नहीं है। महत्वपूर्ण अकादमियों में भी विद्वानों के स्थान पर मुंशी बिठा दिये गये हैं। ताकि अपनी टीम की जयकार करने, जुमले दोहराने वालों की संख्या बढ़े। बस। शिक्षा का जो हो, कुर्सी अपने हाथ रहे। यह फाउल खेलने जैसा है। पर उस से क्या, कैसे भी केवल चुनावी कप जीतते रहना है!

यह दूरघातक स्थिति है, जो अनेक संघ-भाजपाई भी मानते हैं। पर कहते है: क्या करें? यह मानसिक बदहाली इतनी व्यापक है कि किसी नीति, घोषणा, चुप्पी, बेढब स्थिति, आदि की आलोचना पर केवल यही कहते हैं: 'भाजपा के हारने से आप को क्या मिलेगा?' चाहे अगले चुनाव में चार साल बाकी हो — पर उन के पास चुनाव छोड़ कोई विचार नहीं रह गया है। बारहों महीने उन्हें यही चिन्ता है। सो, अकेला लेखक भी यदि आलोचना करे तो वह चुनाव में हराने के लिए कर रहा है! अन्य कारण हो नहीं सकता।

किसी को नीति सुधार या नेतृत्व परिवर्तन जैसी कोई बात नहीं सूझती कि वह भी विचारणीय हो सकती है। जबकि वह लोकतंत्र में सब से सहज विचार है। ब्रिटेन में 2016 से 2022 के छ: वर्षों में एक ही सत्ताधारी दल के चार प्रधानमंत्रियों ने स्वेच्छा से पद छोड़ दिया, सिर्फ यह देखकर कि उन की कोई नीति विफल रही या उन की लोकप्रियता कम हो गई। उन्हें पद छोड़ने की विवशता न थी! किन्तु उन्होंने अपने दल के अन्य नेता के लिए स्वयं स्थान छोड़ दिया। यह सच्ची समानता, साथीपन की भावना है। दलीय और राष्ट्रीय हित का सामंजस्य भी।भारत में वह अकल्पनीय है! यहाँ शासक दूसरों को अपने से नीचा समझता है। आजीवन पद पर रहना अपना प्रथम अधिकार मानता है।

चाहे देश का कुछ भी मत या हाल हो। यह दलीय ढाँचा भी मात्र दिखावा होने का संकेत है। मुख्य बात केवल जैसे-तैसे गद्दी पर रहने, या गद्दी लेने की है। देश की चिन्ता कहीं पीछे या बिलकुल नहीं।

एक अर्थ में भयावह हाल है कि नेताओं के पास अपने किसी काम, निकम्मेपन, मनमानी, संसाधनों की बर्बादी, नीतिगत पलटी मारने, और चुप्पी के लिए दिखावटी दलील भी न हो! जिस का जगजाहिर सबूत वर्तमान शासकों द्वारा मीडिया का सामना न करना है। न अपने दल में किसी मतभेद स्वर का। ऐसे दलीय सहकर्मी भी किनारे कर दिये गये हैं।

इस असाधारण दुर्बलता को छिपाने के लिए वे अनर्गल भाषणों का रेला देते रहते हैं, जहाँ कोई प्रश्नकर्ता न हो। केवल एकतरफा घटाटोप शब्दवर्षा। ताकि छिप जाए कि उन के पास अपने चित्र-विचित्र कर्मों-अकर्मों के बचाव में कहने को कुछ नहीं।

भ्रष्टाचार के दोषियों को मिले फांसी' राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर इलाहाबाद हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी

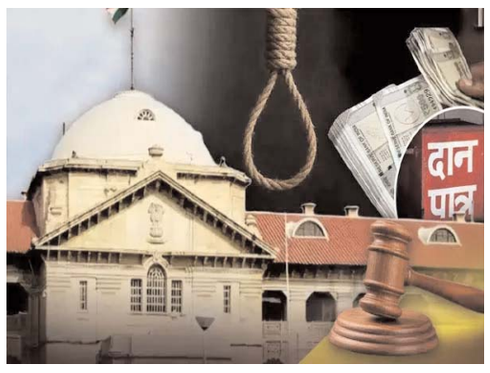

प्रयागराज ,(आरएनएस)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने देश में बढ़ते भ्रष्टाचार और राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण पर बेहद तल्ख टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि भ्रष्टाचार अब हमारे समाज में एक सामान्य बात बन चुकी है। राम मंदिर के लिए आए दान में हुई चोरी का मामला भी लोगों को शर्मिंदा नहीं कर पाया, जो समाज में ईमानदारी के सबसे निचले स्तर को दिखाता है। अदालत ने साफ शब्दों में कहा कि अगर सरकार वास्तव में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाना चाहती है, तो उसे भ्रष्टाचार निरोधक कानून में संशोधन कर गंभीर मामलों में मृत्युदंड की सजा का प्रावधान करने पर विचार करना चाहिए। जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस सिद्धार्थनंद की खंडपीठ हमीरपुर के कैफुद्दीन सहित अन्य याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें बुलडोजर कार्रवाई से संरक्षण की मांग की गई थी। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि नगर निगम और अन्य प्राधिकरणों के भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध निर्माण खड़े किए जाते हैं। अफसर रिश्वत लेकर अपनी आंखें बंद कर लेते हैं, लेकिन जब कार्रवाई की नौबत आती है तो उसका सबसे बड़ा खामियाजा आम खरीदार को भुगतना पड़ता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अवैध निर्माण कराने वाले बिल्डरों के साथ-साथ उन्हें संरक्षण देने वाले भ्रष्ट अधिकारियों को भी कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। अदालत ने इस बात पर भी चिंता जताई कि भ्रष्टाचार के चलते अमीर और गरीब के बीच की खाई लगातार गहरी हो रही है, जो भविष्य में गंभीर सामाजिक असंतोष का कारण बन सकती है। अपने 51 पन्नों के फैसले में जस्टिस अतुल श्रीधरन ने कहा कि राम मंदिर में दान चोरी का विवाद 'ऊंट की पीठ पर आखिरी तिनका' साबित हुआ है।

दिल्ली मेट्रो ने 16 स्टेशनों को बंद किया; राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट पर इंटरचेंज की सुविधा जारी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सुरक्षा कारणों से बुधवार को दिल्ली मेट्रो के 16 स्टेशनों को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया। हालांकि, राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट स्टेशनों पर इंटरचेंज की सुविधा जारी रहेगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि अगले आदेश तक लोक कल्याण मार्ग, राजीव चौक, पटेल चौक, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, बाराखंभा रोड, सुप्रीम कोर्ट, सेवा तीर्थ, जनपथ, मंडी हाउस, सेंट्रल सेक्रेटेरियट, आईटीओ, दिल्ली गेट, इंद्रप्रस्थ, खान मार्केट, जोर बाग और शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन बंद रहेंगे। इससे पहले रविवार को भी सुरक्षा कारणों से जनपथ, राजीव चौक, पटेल चौक, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट और सेवा तीर्थ मेट्रो स्टेशनों को अगले आदेश तक बंद किया गया था। हालांकि, कुछ समय बाद राजीव चौक और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट स्टेशनों पर इंटरचेंज सुविधा बहाल कर दी गई थी और उनके गेट भी खोल दिए गए थे। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने संसद तक 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के मार्च के दौरान हुई हिंसा और कानून-व्यवस्था से जुड़ी घटनाओं के सिलसिले में अब तक 10 एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान हुई अलग-अलग घटनाओं के संबंध में ये मामले दर्ज किए गए हैं और जांच जारी है।पुलिस ने बताया कि सीजेपी के प्रदर्शन से जुड़े मामलों में संसद मार्ग थाने में चार एफआईआर, कनॉट प्लेस (सीपी) थाने में तीन एफआईआर तथा मंदिर मार्ग, बाराखंभा रोड और कर्तव्य पथ थानों में एक-एक एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें एक मामला नई दिल्ली के हाई-सिक्योरिटी क्षेत्र में संसद सत्र के दौरान बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने से संबंधित है।

दिल्ली सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम की 84 सेवाओं का समय घटाया, कुछ सेवाएं अब तुरंत मिलेंगी : CM रेखा गुप्ता

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य लोगों और कारोबार से जुड़े लोगों को सरकारी सेवाएं पहले से ज्यादा तेज, आसान और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराना है। इसी दिशा में दिल्ली सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने डिरेगुलेशन एक्सरसाइज-फेज I के तहत प्राथमिकता क्षेत्र-21 पर एक विस्तृत अध्ययन किया है। इस अध्ययन का उद्देश्य यह पता लगाना था कि सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए मिलने वाली सेवाओं में आवेदन से लेकर काम पूरा होने तक कितना समय लगता है और उस समय को कैसे कम किया जा सकता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अध्ययन में 18 विभागों को शामिल किया गया और सिंगल विंडो सिस्टम पर उपलब्ध 95 प्रमुख सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। सिंगल विंडो सिस्टम एक ऐसा डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जहां नागरिक और व्यवसाय विभिन्न लाइसेंस, परमिट, अनुमोदन और क्लीयरेंस के लिए एक ही जगह ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और उन्हें प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अध्ययन के बाद काम करने की प्रक्रियाओं में कई जरूरी सुधार किए गए। इसका परिणाम यह हुआ कि सिंगल विंडो सिस्टम पर उपलब्ध 84 सेवाओं में आवेदन के निपटारे का समय कम कर दिया गया है। इतना ही नहीं, कुछ सेवाएं अब तुरंत उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य दिल्ली में कारोबार करना और आसान बनाना, सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाना तथा नागरिकों और व्यवसायों के लिए सरकारी प्रक्रियाओं को सरल करना है।

देश के कई राज्यों में बाढ़-बारिश से भयंकर तबाही, 50 से ज्यादा मौतें, जानें कहां कैसे हैं हालात

नई दिल्ली,(आरएनएस)। देश के कई राज्यों में इस वक्त मानसूनी बारिश और बाढ़ ने भारी तबाही मचा रखी है। असम से लेकर हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर तक कुदरत का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। लगातार हो रही भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। नदियां उफान पर हैं, घर मलबे में तब्दील हो गए हैं और अब तक दर्जनों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। प्रशासन और रेस्क्यू टीमें लगातार राहत-बचाव के काम में जुटी हुई हैं, लेकिन हालात अब भी बेहद चिंताजनक बने हुए हैं।

असम में जलप्रलय, 31 की मौत और लाखों बेघर

असम में बाढ़ से हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ASDMA) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में 21 लोगों की जान चली गई, जिससे मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 31 तक पहुंच गया है। राज्य के 16 जिलों में 5.64 लाख से अधिक लोग इस भयंकर बाढ़ की चपेट में हैं। सबसे बुरा हाल शिवसागर जिले का है, जहां अकेले 3.59 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। चराइदेव, जोरहाट और गोलाघाट में भी स्थिति गंभीर है। ब्रह्मपुत्र, दिखो, देसांग और धनसिरी समेत कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिसके चलते रेलवे ट्रैक डूब गए हैं और कई ट्रेनें रद्द करनी पड़ी हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा खुद प्रभावित इलाकों का दौरा कर स्थिति की समीक्षा करेंगे।

हिमाचल में फटा बादल, कई मकान मलबे में दबे

पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भी मूसलाधार बारिश आफत बनकर बरसी है। कांगड़ा जिले की बोह घाटी में बादल फटने और अचानक आई बाढ़ के चलते कई मकान, गौशालाएं और खेत मलबे में दब गए। गनीमत यह रही कि समय रहते लोगों को सुरक्षित स्थानों पर निकाल लिया गया, जिससे कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई, हालांकि कई मवेशियों की जान चली गई। मौसम विभाग द्वारा जारी किए गए रेड अलर्ट के बाद कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों में सभी स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। किन्नौर में भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-5 समेत प्रदेश की 36 सड़कें और कई पेयजल योजनाएं ठप पड़ गई हैं।

जम्मू-कश्मीर में 23 मौतें, सभी प्रमुख तीर्थ यात्राएं निलंबित

जम्मू-कश्मीर में आसमानी आफत का कहर लगातार जारी है। पुंछ, राजौरी और डोडा जिलों में रविवार से अब तक बारिश और भूस्खलन से जुड़ी घटनाओं में 23 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सात लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। खराब मौसम और खतरे को देखते हुए प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। एहतियात के तौर पर अमरनाथ यात्रा, माता वैष्णो देवी यात्रा, शिव खोरी और मचैल माता यात्रा को लगातार तीसरे दिन भी निलंबित रखा गया है।

पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी हाहाकार

असम के अलावा पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी बारिश और भूस्खलन ने भारी नुकसान पहुंचाया है। नगालैंड के मोन जिले में भूस्खलन की चपेट में आने से मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है और चार लोग अब भी लापता हैं। यहां के 10 जिलों के 93 गांव बाढ़ और बारिश की चपेट में आ चुके हैं। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में लगातार हो रही बारिश की वजह से पांच जिलों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं, जिससे इस मानसून सीजन में राज्य के करीब 1.49 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

(रायपुर) राज्यपाल लोकभवन में राज्यपाल रमन डेका से प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टरों ने की सौजन्य मुलाकात।

नीट को हमेशा के लिए खत्म करो, थलपति विजय की पार्टी ने कर दी बड़ी मांग

चेन्नई ,,(आरएनएस)। नीट परीक्षा में हुए पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में मचे बवाल के बीच अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय भी छात्रों के समर्थन में खुलकर मैदान में आ गए हैं। तमिल सिनेमा के 'थलपति' और अब सूबे के मुखिया विजय की पार्टी तमिझगा वेत्री कज़गम (TVK) ने नीट परीक्षा को लेकर एक ऐसी मांग कर दी है, जिसने सियासी पारे को और भी ज्यादा चढ़ा दिया है। TVK ने दो टूक कहा है कि नीट में धांधली रोकना ही काफी नहीं है, बल्कि इस पूरी प्रवेश परीक्षा को ही हमेशा के लिए जड़ से खत्म कर देना चाहिए। छात्रों के भविष्य और राज्यों के अधिकारों का हवाला देते हुए TVK ने संविधान में बड़े बदलाव की वकालत की है। पार्टी का स्पष्ट मानना है कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए

शिक्षा को संविधान की समवर्ती सूची (Concurrent List) से हटाकर राज्य सूची में ट्रांसफर कर दिया जाना चाहिए। पार्टी ने यह भी सुझाया है कि अगर ऐसा करने में कोई कानूनी अड़चन आती है, तो अंतरिम उपाय के तौर पर एक 'विशेष समवर्ती सूची' बनाई जाए। इससे राज्य सरकारों को मेडिकल एजुकेशन पर पूरा अधिकार मिल सकेगा।

शख्स ने पत्नी और 2 मासूम बच्चों को उतारा मौत के घाट, फिर खुद भी लगाई फांसी; सुसाइड नोट में खुला राज

मैसूरु,(आरएनएस)। कर्नाटक के मैसूरु से एक बेहद खौफनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक शख्स ने गहरी साजिश रचते हुए पहले अपनी ही पत्नी और दो मासूम

बच्चों की बेरहमी से जान ले ली, और फिर खुद भी फंदे पर झूलकर खौफनाक अंत चुन लिया। एक ही झटके में पूरे हंसते-खेलते परिवार के खत्म होने से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस को मौके से एक हैरान करने वाला सुसाइड नोट भी मिला है, जिसने इस पूरे हत्याकांड को और भी रहस्यमयी बना दिया है। इस सुसाइड नोट में प्रॉपर्टी के कागजात और तिजोरी की चाबियों को लेकर किए गए खुलासे ने पुलिस को जांच के नए एंगल पर सोचने के लिए मजबूर कर दिया है।

3 दिन पहले मां को घर से भेजा, फिर रची मौत की स्क्रिप्ट

पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान 39 वर्षीय हरीश के रूप में हुई है। उसने अपनी 37 साल की पत्नी निश्चिता, 8 साल की बेटी रक्षा और 4 साल के बेटे नक्शा को मौत की नींद सुला दिया। यह वारदात हुंसूर शहर के न्यू मारुति लेआउट की है। शुरुआती तफ्तीश में यह बात साफ हो गई है कि हरीश ने इस वारदात को अचानक अंजाम नहीं दिया, बल्कि इसकी पूरी प्लानिंग की थी। साजिश के तहत ही उसने तीन दिन पहले अपनी मां को दादी के घर भेज दिया था ताकि वह घर पर अपनी पत्नी और बच्चों की हत्या कर सके। पुलिस को मिले सुसाइड नोट में हरीश ने खुद लिखा था कि उसका शव ऊपर के कमरे में फंदे से लटकता मिलेगा।

दिल्ली में मचने वाला है बवाल? गृह मंत्रालय के आदेश पर रातों-रात बंगाल से एयरलिफ्ट किए गए 2000 जवान

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली में लगातार भड़क रहे विरोध-प्रदर्शनों और संसद के मानसून सत्र के बीच एक बड़ी हलचल मच गई है। दिल्ली में किसी भी संभावित खतरे को टालने और सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए केंद्र सरकार ने रातों-रात एक बड़ा कदम उठाया है। गृह मंत्रालय के सीधे आदेश पर पश्चिम बंगाल से भारी-भरकम सुरक्षाबलों को तुरंत दिल्ली बुलाया जा रहा है। हिंसक झड़पों की आशंका और बिगड़ते हालात को देखते हुए अचानक लिए गए इस फैसले ने राजधानी में सरगर्मी काफी तेज कर दी है।

हवाई जहाज से दिल्ली पहुंच रहे CRPF के 2000 जवान

नीट (NEET) पेपर लीक मामले, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के लगातार हो रहे उग्र विरोध-प्रदर्शनों ने दिल्ली पुलिस की नींद उड़ा दी है। हाल ही में कई जगहों पर हुई हिंसक झड़पों के बाद गृह मंत्रालय (MHA) एक्शन मोड में आ गया है। मंगलवार रात दिए गए एक आपातकालीन आदेश के तहत, पश्चिम बंगाल से सीआरपीएफ (CRPF) की 20 अतिरिक्त टुकड़ियों को हवाई जहाज के जरिए सीधे दिल्ली एयरलिफ्ट किया जा रहा है। सीआरपीएफ की एक कंपनी में करीब 100 जवान होते हैं, जिसका सीधा मतलब है कि 2000 जवानों की भारी फौज राजधानी की सड़कों पर उतर रही है।

दिल्ली बनी छावनी, पहले से तैनात हैं RAF की 30 कंपनियां

दिल्ली में 20 जुलाई से संसद का मानसून सत्र भी चल रहा है, जिसके चलते सुरक्षा एजेंसियों पर दबाव पहले से ही काफी ज्यादा है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, राजनीतिक दलों के प्रदर्शनों को देखते हुए केंद्र सरकार ने दिल्ली पुलिस की मदद के लिए पहले ही CRPF और उसकी विशेष दंगा-रोधी इकाई 'रैपिड एक्शन फोर्स' (RAF) की करीब 30 कंपनियां तैनात कर रखी हैं। अब पश्चिम बंगाल से आ रही इन नई 20 कंपनियों को मिलाकर सुरक्षा तंत्र को अभेद्य बनाया जा रहा है।

गौरतलब है कि ये कंपनियां कुछ महीने पहले पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के लिए भेजी गई थीं और वहां की राज्य सरकार के अनुरोध पर रुकी हुई थीं, जिन्हें अब फौरन दिल्ली मोर्चे पर बुला लिया गया है।

चेस्ट' और 'ब्रेस्ट' में फर्क बेमानी, हाई कोर्ट ने पास्को एक्ट के तहत यौन उत्पीड़न पर सुनाया अहम फैसला

कोच्चि (आरएनएस)। बच्चों के खिलाफ होने वाले यौन अपराधों (पॉक्सो) को लेकर केरल हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ कर दिया है कि पॉक्सो (POCSO) एक्ट के तहत यौन उत्पीड़न के मामलों में 'चेस्ट' (छाती) और 'ब्रेस्ट' (स्तन) के बीच का अंतर पूरी तरह से निराधार और बेमानी है। अगर कोई व्यक्ति यौन मंशा के साथ किसी बच्चे की छाती को पकड़ता या छूता है, तो उसे कानूनी तौर पर यौन उत्पीड़न ही माना जाएगा। यह सख्त और स्पष्ट टिप्पणी 12 साल के एक लड़के के यौन उत्पीड़न मामले की सुनवाई के दौरान आई है, जिसने कानूनी शब्दों की आड़ में बचने की कोशिश कर रहे आरोपियों को एक कड़ा संदेश दिया है।

आरोपी की बेतुकी दलील- 'सिर्फ छाती छूना अपराध नहीं'

इस मामले में अभियोजन पक्ष (सरकार) का आरोप था कि आरोपी ने गलत (यौन) नीयत से बच्चे को पीछे से पकड़ा था। इसके बचाव में आरोपी ने अदालत में अजीबोगरीब दलील दी कि किसी बच्चे की 'छाती' (चेस्ट) को महज छूना या पकड़ना पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध की श्रेणी में नहीं आता। उसका तर्क था कि केवल यौन मंशा से 'ब्रेस्ट' को छूने पर ही यह अपराध बनता है। इस पर अदालत ने दोनों शब्दों के अर्थ और अंतर को गहराई से परखा। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में स्पष्ट किया कि भले ही मेडिकल और शारीरिक संरचना के आधार पर इन दोनों शब्दों के अलग-अलग मायने होते हों, लेकिन यौन उत्पीड़न के मामलों में 'चेस्ट' का इस्तेमाल आमतौर पर 'ब्रेस्ट' के पर्यायवाची के रूप में ही किया जाता है। इसलिए, ऐसी हरकत को हर हाल में यौन हमला ही माना जाएगा।12 साल के बच्चे से जुड़ा है मामला, अदालत ने सजा में किया बदलाव

जस्टिस ए. बदरुद्दीन की पीठ ने कोझिकोड के 12 वर्षीय बच्चे के साथ हुए इस यौन उत्पीड़न मामले में सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

चलती ट्रेन से लटके चोर को यात्री ने लात मारकर नीचे गिराया, पुलिस ने पीड़ित पर ही मामला दर्ज किया

रायपुर(आरएनएस)। रायपुर से गुज़रने वाली आजाद हिंद एक्सप्रेस में एक खौफनाक और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक यात्री का पर्स चुराने की कोशिश करना एक चोर को काफी महंगा पड़ गया। चोरी पकड़े जाने के बाद भागने की कोशिश में चोर चलती ट्रेन के पायदान से लटक गया, जिसके बाद पीड़ित यात्री ने कथित तौर पर उसे लात मारकर नीचे गिरा दिया। इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हैरानी की बात यह है कि इस मामले में कानून हाथ में लेने के आरोप में पीड़ित यात्री के खिलाफ ही मामला दर्ज कर लिया गया है एक रिपोर्ट के अनुसार, यह पूरी घटना 14 जुलाई की दोपहर करीब 3:40 बजे की है, जब ट्रेन रायपुर जिले के मंधार और उरकुरा रेलवे स्टेशनों के बीच से गुजर रही थी। रायपुर गवर्नमेंट रेलवे पुलिस (GRP) के एसएचओ बीके राठौर ने बताया कि राउरकेला के रहने वाले 54 वर्षीय केआर सुरेश कुमार कोच बी-4 की बर्थ नंबर 5 पर सफर कर रहे थे। इसी दौरान उनका पर्स गायब हो गया। बर्थ नंबर 7 पर मौजूद एक सह-यात्री ने उन्हें बताया कि एक शख्स ने उनका पर्स चुरा लिया है। इसके बाद जब सुरेश कुमार ने संदिग्ध का पीछा किया, तो कोच अटेंडेंट की मदद से आरोपी को धर दबोचा गया।

ट्रेन यात्रियों के लिए बड़ी खबर, रेलवे खत्म कर रहा 300 स्टॉपेज; अब 45 मिनट पहले पहुंचेंगी प्रीमियम ट्रेनें

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय रेलवे लंबी दूरी और प्रीमियम ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाने के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। इसके तहत देशभर में प्रायोगिक आधार पर दिए गए 300 से अधिक स्टॉपेज को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने का खाका तैयार कर लिया गया है। रेलवे की यह नई व्यवस्था अक्टूबर 2026 तक पूरी तरह लागू हो जाएगी, जिससे यात्रियों के सफर का 15 से 45 मिनट तक का बहुमूल्य समय बचेगा।रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी के

मुताबिक, साल 2021 से 2025 के बीच स्थानीय सांसदों, विधायकों और क्षेत्रीय जनता की मांग पर सैकड़ों स्टेशनों पर छह महीने के प्रायोगिक आधार पर ट्रेनों के ठहराव मंजूर किए गए थे। इसका मुख्य उद्देश्य छोटे कस्बों के यात्रियों को सीधी रेल कनेक्टिविटी का लाभ देना था। नियम के मुताबिक मियाद पूरी होने के बाद इन स्टॉपेज की व्यावसायिक उपयोगिता की समीक्षा की गई। रेलवे बोर्ड के इंटीग्रेटेड कोचिंग मैनेजमेंट सिस्टम (आईसीएमएस) के आंकड़ों में यह बात सामने आई कि ये स्टॉपेज 'न्यूनतम 15 टिकट प्रति ट्रेन प्रतिदिन' के पैमाने पर पूरी तरह फेल साबित हुए। कम यात्रियों के बावजूद ट्रेनों को रोकने से न केवल करोड़ों रुपये का ईंधन बर्बाद हो रहा था, बल्कि मुख्य मार्गों पर ट्रेनों की समयपालन व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हो रही थी। अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (आरडीएसओ) की रिपोर्ट के अनुसार, 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही किसी प्रीमियम ट्रेन को एक स्टेशन पर रोकने और दोबारा उसी गति में लाने में 5 से 7 मिनट का समय बर्बाद होता है। अधिकारी ने बताया कि एक गैर-जरूरी स्टॉपेज हटने से ट्रेन सीधे तौर पर 5 से 7 मिनट की बचत करेगी। जिन रूटों पर ऐसे 3 से 4 ठहराव हटाए जा रहे हैं, वहां यात्रा का समय 15 से 45 मिनट तक कम हो जाएगा।

ट्रंप की ईरान को चेतावनी, कहा- अगर होर्मुज में किया जहाज पर हमला, तो उड़ा देंगे पुल या पावर प्लांट

वॉशिंगटन (ए.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी अमेरिकी जहाज पर हमला करने के गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा कि अगर ईरान मिसाइल, रॉकेट, ड्रोन या किसी अन्य हथियार का इस्तेमाल करके किसी जहाज पर हमला करता है, तो अमेरिका ईरान के एक पुल या बिजली संयंत्र को नष्ट कर देगा। इस कार्रवाई में तेहरान शहर के निकट या भीतर स्थित संरचनाएं भी शामिल हो सकती हैं।

यह चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण

मार्ग है, इन दोनों देशों के बीच टकराव का एक संभावित केंद्र बना हुआ है।

राष्ट्रपति ट्रंप के बयान से यह स्पष्ट होता है कि अमेरिका ईरान की ओर से किसी भी प्रकार की आक्रामकता को बर्दाश्त नहीं करेगा और उसके जवाब में कठोर कार्रवाई करेगा। इस चेतावनी का उद्देश्य ईरान को किसी भी प्रकार के सैन्य दुस्साहस से रोकना है, खासकर उस क्षेत्र में जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस कड़े रुख से क्षेत्र में पहले से ही अस्थिरता का माहौल और बढ़ सकता है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि ईरान इस चेतावनी पर कैसी प्रतिक्रिया देता है और क्या यह तनाव को कम करने में सहायक होता है या स्थिति को और अधिक जटिल बनाता है।

पाकिस्तान के पंजाब में बारिश का कहरः 8 की मौत और 14 घायल, कई इलाके जलमग्न

इस्लामाबाद (आरएनएस)। पाकिस्तान में बारिश कई इलाकों पर कहर बन कर टूटी है। खासकर पंजाब प्रांत गुजरांवाला, नारोवाल, पाकपत्तन और लाहौर शहरों में भारी बरसात ने तबाही मचा दी है। अलग-अलग हादसों में करीब 8 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। गुजरांवाला शहर में 6 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर बच्चे शामिल हैं, जबकि 10 लोग घायल हुए हैं। वहीं, गुजरात में जीटी रोड बाईपास पर बारिश के कारण फिसलने के बाद एक ट्रेलर खाई में गिर गया। राहत एवं बचाव अधिकारियों ने बताया कि इन घटनाओं में मौत का कारण मकान की छत और दीवार गिरने से लगी चोट, तालाब में डूबने या फिर करंट लगना रहा।

अगर परमाणु ठिकानों पर हमला हुआ तो पूरे क्षेत्र में युद्ध विस्तार मानेगा ईरान

- अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने किए कई हवाई हमले, ईरान ने भी किया पलटवार

वाशिंगटन,(ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच जंग जारी है। अमेरिका ने लड़ाकू विमानों से ईरान का आसमान और मिसाइलों से धरती कांप रही है। हालांकि इसमें अमेरिका का भी कम नुकसान नहीं हो रहा है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अमेरिकी संसद में बताया कि अब तक इस युद्ध पर 37.5 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि वास्तविक खर्च इससे भी ज्यादा हो सकता है। हेगसेथ और ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन ने युद्ध के लिए अतिरिक्त बजट की मांग भी की है।

मिया खलीफा की बंपर जीतः स्पेन के विश्व कप चैंपियन बनने पर कमाए 14 करोड़

मैड्रिड,(ए.)। पूर्व एडल्ट स्टार और अब सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मिया खलीफा की किस्मत चमक उठी है। हाल ही में संपन्न हुए फीफा विश्व कप में स्पेन के चैंपियन बनते ही उन्होंने सट्टेबाजी में 14 करोड़ रुपये की रकम जीती है। जानकारी के अनुसार, मिया खलीफा ने विश्व कप फाइनल में स्पेन पर करीब 1 मिलियन डॉलर (करीब 8.3 करोड़ रुपये) का दांव लगाया था। न्यू जर्सी में हुए रोमांचक फाइनल में स्पेन ने अर्जेंटीना को अतिरिक्त टाइम में 1-0 से हराकर 16 साल बाद फिर खिताब अपने नाम किया। स्पेन की इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही मिया को 1.65 मिलियन डॉलर की राशि मिली, जो भारतीय करेंसी में करीब 14 करोड़ रुपये होती है। मिया खलीफा स्वयं ऐतिहासिक मुकाबले को देखने के लिए स्टेडियम पहुंची थीं और उन्होंने स्पेन के युवा स्टार लामिन यमाल की जर्सी पहनी हुई थी। जीत के बाद उन्होंने अपनी जीती हुई रकम का स्क्रीनशॉट इंस्टाग्राम पर साझा किया। इसके साथ ही मजेदार कैप्शन भी लिखा, मुझमें स्पैनिश खून का एक कतरा भी नहीं है, फिर भी मुझे अपने देश स्पेन पर गर्व है। बहुत ज्यादा राहत मिली है और बड़ी जीत हुई।

लेबनान मूल की मिया खलीफा अब अमेरिका में बस चुकी हैं। उन्होंने साल 2014 में एडल्ट इंडस्ट्री में कदम रखा था और जल्द ही दुनियाभर में पहचान बना ली थी। हालांकि, कुछ समय बाद उन्होंने इंडस्ट्री से दूरी बना ली और अब वे एक प्रभावशाली सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के तौर पर जानी जाती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके करीब 29 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जिनके साथ वे लगातार जुड़ी रहती हैं।

रूस से जंग के बीच यूक्रेन में राष्ट्रपति जेलेंस्की का बड़ा एक्शन, आर्मी चीफ को पद से हटाया

कीव (आरएनएस),। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सेना के कमांडर-इन-चीफ जनरल ओलेक्सांद्र सिर्स्की को पद से हटाकर उनकी जगह मिखाइलो ड्रापाती को नया सेना प्रमुख नियुक्त किया है। यह फैसला कीव समेत देश के कई शहरों में पिछले कई दिनों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच लिया गया।जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि सैन्य कमांडरों के साथ कई बैठकों के बाद यह निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य स्पष्ट है—दुश्मन पर जीत हासिल करना और रूस पर ऐसा दबाव बनाना कि वह शांति की दिशा में आगे बढ़ने को मजबूर हो।राष्ट्रपति ने जनरल सिर्स्की के कार्यकाल की सराहना करते हुए कीव की रक्षा, खारकीव और कुर्स्क अभियानों में उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया।

मार्को रुबियो ने ईरान को बताया क्षेत्र का सबसे बड़ा संकट, आसियान देशों के सामने क्या चेतावनी दी?

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पश्चिम एशिया में समुद्री सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मार्गों को लेकर ईरान पर बड़ा आरोप लगाया है। फिलीपींस की राजधानी मनीला में आसियान देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान रुबियो ने कहा कि अगर किसी देश को अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर अवैध नाकाबंदी करने की छूट मिलती है तो यह पूरी दुनिया के लिए खतरनाक मिसाल बन जाएगी। उन्होंने ईरान को पश्चिम एशिया में अस्थिरता फैलाने वाला देश बताते हुए कहा कि इसका असर केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र भी इससे प्रभावित हो सकता है।

रुबियो ने कहा कि अमेरिका पश्चिम एशिया में अपनी नीति और कार्रवाई को लेकर आसियान देशों को स्थिति स्पष्ट कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि क्षेत्र में बढ़ते तनाव और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति तथा व्यापारिक मार्गों पर पैदा हुए खतरों के लिए तेहरान जिम्मेदार है। उनके मुताबिक, ईरान की गतिविधियों ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि यदि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने समय रहते इस तरह की घटनाओं को नहीं रोका तो भविष्य में अन्य संवेदनशील समुद्री मार्गों पर भी इसी तरह की स्थिति पैदा हो सकती है।

रुबियो ने ईरान पर कौन से आरोप लगाए?

मार्को रुबियो ने कहा कि पश्चिम एशिया में अस्थिरता की जड़ ईरान है। उन्होंने ईरान को क्षेत्र का "मुसीबत पैदा करने वाला देश" बताया। रुबियो ने कहा कि ईरान जिन संगठनों का समर्थन करता है, उनमें हूती, हिजबुल्लाह और अन्य सहयोगी समूह शामिल हैं। उनके अनुसार, यही समूह क्षेत्र में सुरक्षा और समुद्री यातायात के लिए लगातार चुनौती बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका सऊदी अरब के साथ मिलकर बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य में सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर लगातार समन्वय कर रहा है, क्योंकि यह लाल सागर और अरब सागर को जोड़ने वाला बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है।

होर्मुज और समुद्री मार्गों को लेकर क्या चेतावनी दी?

रुबियो ने कहा कि यदि कोई देश अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग पर नियंत्रण स्थापित कर जहाजों से शुल्क वसूलने लगे और भुगतान नहीं करने पर जहाजों पर हमला करे, तो यह पूरी दुनिया के लिए बेहद खतरनाक उदाहरण होगा। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति भविष्य में दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी दोहराई जा सकती है। उनका इशारा पूर्वी और दक्षिण-पूर्व एशिया के उन समुद्री मार्गों की ओर था, जिनमें मलक्का जलडमरूमध्य और ताइवान जलडमरूमध्य जैसे रणनीतिक मार्ग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन मार्गों पर किसी भी तरह का व्यवधान वैश्विक व्यापार और अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर डाल सकता है।

फीचर

निधि शेट्टीः अनुपमा के जरिए महिलाओं के सम्मान और पहचान की बात

मुंबई (ए.)। टीवी शो अनुपमा में प्रेरणा के किरदार से घर-घर में अपनी अलग पहचान बना चुकी अभिनेत्री निधि शेट्टी इन दिनों शो के मौजूदा ट्रैक को लेकर चर्चा में हैं। निधि का दृढ़ता से मानना है कि अनुपमा सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह समाज में व्याप्त उन कई पुरानी और रूढ़िवादी सोच पर भी सवाल उठाता है, जिनका सामना आज भी महिलाएं अपने रोजमर्रा के जीवन में करती हैं। निधि शेट्टी ने कहा, अनुपमा दर्शकों के दिलों तक इसलिए पहुंचता है क्योंकि इसकी कहानी काल्पनिक कम और वास्तविक जीवन के ज्यादा करीब होती है। शो में दिखाई जाने वाली परिस्थितियां वही हैं, जिनका सामना आज भी देश के कई परिवारों में महिलाएं करती हैं। प्रेरणा के किरदार के जरिए ऐसे मुद्दों को सामने लाया जा रहा है, जिन पर समाज में खुलकर बात होना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि अगर इस शो को देखने के बाद कुछ लोग भी अपनी सोच बदलने की कोशिश करें या महिलाओं को लेकर बने पुराने नजरिए पर दोबारा विचार करें, तो यह हमारे लिए सबसे बड़ी सफलता होगी। एक कलाकार के तौर पर ऐसी कहानी का हिस्सा बनना हमेशा खुशी देता है, जो सिर्फ मनोरंजन न करे, बल्कि समाज को सोचने पर भी मजबूर करे। शो के हालिया एपिसोड में प्रेरणा अपने परिवार के सामने अपनी बात मजबूती से रखती है, खासकर अपने निजी पहनावे और पसंद को लेकर। इस सीन के बारे में बात करते हुए निधि ने कहा, मैंने इस सीन में गुस्से से ज्यादा प्रेरणा की भावनाओं पर ध्यान दिया। वह अपने कपड़ों के लिए नहीं लड़ रही है, बल्कि इसलिए आवाज उठा रही है, क्योंकि वह बार-बार अपनी निजी पसंद को लेकर जज किए जाने से थक चुकी है। निधि ने दोहरे मापदंड पर प्रकाश डाला, जहाँ जो बातें एक बेटी के लिए सामान्य मानी जाती हैं, वही बहू के लिए सवाल बन जाती हैं। उन्हें सबसे ज्यादा इसी बात ने तकलीफ पहुंचाई। निधि ने बताया कि यह स्थिति केवल टीवी की कहानी नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन का भी हिस्सा है। उन्होंने जोर देकर कहा, आज भी कई महिलाएं ऐसे दोहरे मापदंड का सामना करती हैं। किसी महिला का सम्मान इस बात से तय नहीं होना चाहिए कि वह क्या पहनती है या परिवार में उसकी क्या भूमिका है।

मनीषा लांबा की यादों में यहां : शूजीत सरकार की रोमांटिक वॉर ड्रामा के 21 साल पूरे

मुंबई (ए.)। अभिनेत्री मनीषा लांबा और जिम्मी शेरगिल अभिनीत भावुक फिल्म यहां ने अपनी रिलीज के 21 साल पूरे कर लिए हैं, जिसने सिनेमा प्रेमियों और इसके कलाकारों के दिलों में एक खास जगह बनाई है। इस अवसर पर, अभिनेत्री मनीषा लांबा ने फिल्म से जुड़ी अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हुए सोशल मीडिया पर एक मार्मिक पोस्ट साझा किया। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म से जुड़ा एक क्लिप साझा किया, जिसमें उन्होंने न केवल अपने सह-कलाकार जिम्मी शेरगिल की शानदार उपस्थिति की तारीफ की, बल्कि निर्देशक शूजीत सरकार का भी दिल से आभार व्यक्त किया। मनीषा ने लिखा, शूजीत सरकार की फिल्म यहां ने अपनी रिलीज के 21 साल पूरे कर लिए हैं। फिल्म में मुझे अदा का किरदार निभाने का मौका देने और मेरी जिंदगी की दिशा बदलने के लिए आपका धन्यवाद। इस फिल्म का हर सीन उन खूबसूरत यादों से भरा हुआ है, जो हमारी पहली फिल्म से जुड़ी हैं। जिम्मी शेरगिल कितने शानदार और आकर्षक लग रहे हैं।

साल 2005 में रिलीज हुई यहां अभिनेत्री मनीषा लांबा के करियर की एक महत्वपूर्ण और यादगार फिल्म थी, जिसने उन्हें एक संवेदनशील अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया। फिल्म में मनीषा ने अदा नामक एक युवा कश्मीरी मुस्लिम लड़की का मुख्य किरदार निभाया था, जिसे भारतीय सेना के एक अधिकारी से प्यार हो जाता है। अदा का यह किरदार, जो प्यार और वफादारी के बीच फंसी हुई थी, मनीषा ने इतनी संवेदनशीलता और गहराई से निभाया कि उन्हें दर्शकों और समीक्षकों दोनों से खूब सराहना मिली। उनका प्रदर्शन आज भी फिल्म के सबसे मजबूत पहलुओं में से एक माना जाता है।

शूजीत सरकार द्वारा निर्देशित यह फिल्म कश्मीर घाटी की पृष्ठभूमि पर आधारित एक मार्मिक रोमांटिक वॉर ड्रामा थी, जिसने आतंकवाद और सेना के बीच फंसे एक जोड़े के प्रेम और संघर्ष को बहुत ही बारीकी और संवेदनशीलता के साथ बड़े पर्दे पर उतारा था। फिल्म एक भारतीय सेना के अधिकारी और एक स्थानीय कश्मीरी लड़की के बीच पनपे प्रेम, और फिर समाज, परिवार व युद्ध की परिस्थितियों से उत्पन्न होने वाले दबावों और संघर्षों को दर्शाती है।

राम गोपाल की तारीफ और राष्ट्रीय पुरस्कार का आभार जताया यामी गौतम ने

मुंबई (ए.)। अभिनेत्री यामी गौतम, जो इन दिनों अपनी फिल्म आर्टिकल 370 के लिए मिले प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार के कारण सुर्खियों में हैं, ने हाल ही में अपने लंबे फिल्मी सफर को सबसे बड़ा शिक्षक बताया। यह टिप्पणी उन्होंने दिग्गज फिल्म निर्देशक राम गोपाल वर्मा के बधाई संदेश के जवाब में की। वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यामी की जीत की सराहना करते हुए उनकी कला की तारीफ की थी, जिसके बाद यामी ने दिल से आभार व्यक्त किया। यामी ने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी और उसी को अपने शुरुआती और सबसे महत्वपूर्ण गुरु के रूप में याद किया। उन्होंने लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद, सर। आपके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह सफर सच में मेरे लिए सबसे बड़ा शिक्षक रहा है और आपके प्रोत्साहन व सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। आगे भी सीखते, आगे बढ़ते और अपने काम के प्रति ईमानदार बने रहने की कोशिश जारी रहेगी। यामी गौतम ने अपनी यात्रा की शुरुआत छोटे पर्दे से की थी, जहाँ उन्होंने अपनी अभिनय क्षमता को निखारा और धीरे-धीरे हिंदी सिनेमा में अपनी एक मजबूत पहचान बनाई। उनकी यह यात्रा दृढ़ता, लगन और प्रतिभा का एक शानदार उदाहरण है, जिसने उन्हें आज एक सफल और प्रशंसित अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है। उनकी हालिया फिल्म आर्टिकल 370, जो 2024 में रिलीज हुई थी, एक राजनीतिक एक्शन-थ्रिलर है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर ज़बरदस्त सफलता हासिल की। यह फिल्म जम्मू-कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को निरस्त करने और राज्य से आतंकवाद के उन्मूलन की ऐतिहासिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में यामी ने जूनी हक्सर नामक एक तेजतर्रार खुफिया अधिकारी का जटिल और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया है, जिसके लिए उन्हें समीक्षकों और दर्शकों दोनों से भरपूर सराहना मिली है। फिल्म में यामी के अलावा, प्रियमणि ने पीएमओ सचिव राजेश्वरी स्वामीनाथन की मुख्य भूमिका निभाई थी, जबकि अरुण गोविल ने प्रधानमंत्री और किरण करमाकर ने गृह मंत्री के किरदार में प्रभावी प्रदर्शन किया था। आदित्य सुहास जाम्भले द्वारा निर्देशित इस फिल्म की पटकथा 2016 की कश्मीर अशांति और अनुच्छेद 370 को हटाने के लिए चलाए गए गुप्त मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें राजनीतिक दांवपेच, मानवीय भावनाएं और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे को बड़ी संवेदनशीलता से दर्शाया गया है।

प्रीति जिंटा ने साझा किया पति संग फीफा वर्ल्ड कप फाइनल की तस्वीरें

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने हाल ही में फीफा विश्व कप 2026 के रोमांचक फाइनल मुकाबले की कुछ खास तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिसमें वह अपने पति जीन गुडइनफ के साथ स्टेडियम में मैच का भरपूर आनंद लेती नजर आ रही हैं। इस दौरान उन्होंने विजेता टीम स्पेन को हार्दिक बधाई भी दी। प्रीति जिंटा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फाइनल मुकाबले की कई तस्वीरें शेयर करते हुए बताया कि अपने पति और द गुड इनफ बॉयज (संभवत: अपने दोस्तों के समूह) के साथ न्यू जर्सी में यह ऐतिहासिक मैच देखना उनके लिए बेहद यादगार अनुभव रहा। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, इस बार का वीकेंड बेहद खास और मजेदार रहा। न्यू जर्सी में द गुड इनफ बॉयज के साथ फीफा विश्व कप का फाइनल देखने का शानदार मौका मिला।

प्रीति ने इस फाइनल मुकाबले को किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं बताया और इसके पीछे की दिलचस्प वजह भी साझा की। उन्होंने लिखा, यह फाइनल किसी फिल्मी कहानी जैसा लगा। पिछली बार की विश्व विजेता अर्जेंटीना का मुकाबला स्पेन से था, जो मार्च 2024 के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं हारा था। उन्होंने युवा स्पेनिश स्टार खिलाड़ी लैमिन यामल और अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल

मेसी के बीच एक अनोखे संयोग का भी जिक्र किया, जिसने मैच की कहानी को और भी दिलचस्प बना दिया। प्रीति ने बताया, उनकी युवा स्टार खिलाड़ी लैमिन यामल वही खिलाड़ी हैं, जिनकी पांच महीने की उम्र में लियोनेल मेसी के साथ खिंची तस्वीर काफी वायरल हुई थी। उस तस्वीर में मेसी उन्हें एक प्लास्टिक के टब में नहलाते नजर आए थे। उन्होंने आगे इस संयोग पर हैरानी जताते हुए लिखा, एक बार फिर किस्मत का खेल देखिए, दोनों टीमें विश्व कप फाइनल में आमने-सामने थीं। ऐसी कहानी कौन लिख सकता है?

अभिनेत्री ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, मैं बस इतना कह सकती हूं कि अपने पति के साथ स्टेडियम में बैठकर इस मुकाबले का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद यादगार अनुभव रहा। उन्होंने स्पेनिश टीम और उसके सभी प्रशंसकों को फीफा विश्व कप जीतने की बहुत-बहुत बधाई दी और कहा, इस ऐतिहासिक मुकाबले को देखना वाकई शानदार अनुभव था। टूर्नामेंट के फाइनल में, स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। अतिरिक्त समय में फेरान टोरेस द्वारा किए गए विजयी गोल की बदौलत स्पेन ने 16 साल के लंबे अंतराल के बाद दूसरी बार विश्व कप जीता, जिसने इतिहास रच दिया। इस बार का टूर्नामेंट कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित किया गया था, जिसमें पहली बार 48 टीमों ने हिस्सा लिया, जो इसे फीफा विश्व कप के इतिहास का सबसे बड़ा और सबसे समावेशी संस्करण बनाता है। प्रीति जिंटा जैसे सितारों की मौजूदगी ने इस वैश्विक खेल आयोजन की चमक को और बढ़ा दिया।

चाइना ओपन 2026: सिंधु और आयुष शेट्टी प्री-क्वार्टर फाइनल में

चांगझोउ,(ए.)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने चाइना ओपन 2026 में विजयी शुरुआत करते हुए बुधवार को हमवतन उन्नति हुड्डा को तीन गेम तक चले मुकाबले में हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल (अंतिम-16) में जगह बना ली। वहीं पुरुष एकल में युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने इंडोनेशिया के विश्व नंबर-11 अल्वी फरहान को हराकर बड़ा उलटफेर किया।विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सिंधु, जो हाल ही में जापान ओपन का खिताब जीतकर आई हैं, ने उन्नति हुड्डा को 21-14, 9-21, 21-10 से हराया। लगभग एक घंटे तक चले मुकाबले में दूसरे गेम में पिछड़ने के बाद सिंधु ने शानदार वापसी करते हुए निर्णायक गेम आसानी से अपने नाम किया।

अब अंतिम-16 में सिंधु का सामना मेजबान चीन की चौथी वरीयता प्राप्त चेन यू फेई से होगा, जिन्होंने पहले दौर में जापान की नात्सुकी निदाइरा को हराया था।

पुरुष एकल में भारत के आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडोनेशिया के विश्व नंबर-11 अल्वी फरहान को 21-17, 5-21, 21-17 से मात देकर अंतिम-16 में प्रवेश किया। यह जीत शेट्टी के लिए खास रही क्योंकि 2023 विश्व जूनियर चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में उन्हें इसी खिलाड़ी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।हालांकि युगल स्पर्धाओं में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और ऋत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी को शीर्ष वरीय चीन के यान झे फेंग और डोंग पिंग हुआंग ने 21-9, 21-16 से हराया।एक अन्य मिश्रित युगल मुकाबले में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो को चीन के शिन वा गुओ और फांग हुई चेन ने 21-18, 21-18 से सीधे गेमों में पराजित किया।पुरुष युगल में एम.आर. अर्जुन और हरिहरन अम्साकरुनन की जोड़ी भी चौथी वरीयता प्राप्त वेई केंग लियांग और चांग वांग के खिलाफ मुकाबला हारकर बाहर हो गई।उधर, भारत के शीर्ष वरीय पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन दिन में बाद में विश्व नंबर-19 जापान के युशी तनाका के खिलाफ अपने पहले दौर का मुकाबला खेलेंगे।

चेल्सी फुटबॉल क्लब से जुड़े इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी मॉर्गन रोजर्स,7 साल का हुआ करार

लंदन (आरएनएस)। चेल्सी फुटबॉल क्लब ने इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी मॉर्गन रोजर्स को एस्टन विला से साइन कर लिया है। प्रीमियर लीग क्लब ने कहा कि 23 साल के खिलाड़ी ने 2033 तक स्टैमफोर्ड ब्रिज में रहने के लिए सात साल की डील साइन की है। चेल्सी ने मिडफील्डर को कथित तौर पर 117 मिलियन पाउंड की डील पर साइन किया है, जिससे वह अब तक के सबसे महंगे ब्रिटिश खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस गर्मी की शुरुआत में इलियट एंडरसन के 116 मिलियन पाउंड में मैनचेस्टर सिटी में शामिल होने का रिकॉर्ड तोड़ा है। क्लब द्वारा जारी एक बयान में रोजर्स ने कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं। मेरे लिए चेल्सी लंदन का सबसे बड़ा क्लब है और एक ऐसा क्लब है जिसकी मैं बचपन से तारीफ करता रहा हूं। मैं नए मैनेजर के साथ प्रोजेक्ट, हमारे पास मौजूद खिलाड़ियों और क्लब की दिशा को लेकर बहुत उत्साहित हूं। इसी वजह से मैं यहां हूं, और क्लब की तरफ से खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।आर्सेनल ने इस ट्रांसफर विंडो में मॉर्गन रोजर्स को अपनी पहली पसंद के फॉरवर्ड के रूप में देखा था। हालांकि, क्लब ने उतनी ट्रांसफर फीस देने से इनकार कर दिया, जितनी प्रीमियर लीग 2025-26 चैंपियन चेल्सी देने के लिए तैयार थी।

विश्व कप फाइनल में हार के बाद मार्टिनेज भावुक, बोले- परिणाम हमारी पूरी यात्रा को परिभाषित नहीं करता

ब्यूनस आयर्स,(आरएनएस)। फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन के खिलाफ हार के बाद अर्जेंटीना के डिफेंडर लिसांद्रो मार्टिनेज ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए प्रशंसकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि फाइनल का परिणाम टीम की पूरी यात्रा को परिभाषित नहीं करता और पूरी टीम को अपने प्रदर्शन पर गर्व है। विश्व कप खिताब बचाने उतरी अर्जेंटीना की टीम को फाइनल में स्पेन के खिलाफ अतिरिक्त समय में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। मार्टिनेज ने एक्स पर लिखा, हम सभी जिस ट्रॉफी के हकदार थे, उसे घर नहीं ला पाने का दर्द दिल में है, लेकिन इस जर्सी, अपने साथियों, कोचिंग स्टाफ, अधिकारियों, मेडिकल टीम, रसोइयों, किट स्टाफ और उन सभी लोगों पर मुझे बेहद गर्व है।

वॉर्नर ने कबूली सिडनी में शराब पीकर गाड़ी चलाने की बात, अगली सुनवाई में कोर्ट सुनाएगा सजा

सिडनी (आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर ने बुधवार को सिडनी की एक कोर्ट में शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में अपना जुर्म कबूल कर लिया। इस मामले में कोर्ट 18 अगस्त को सजा सुनाएगा। ऑस्ट्रेलिया की घरेलू टी20 लीग बिग बैश (बीबीएल) में सिडनी थंडर फ्रेंचाइजी की कमान संभाल रहे वॉर्नर कोर्ट की कार्रवाई के दौरान खुद पेश नहीं हुए। इसके बजाय, डेविड वॉर्नर की ओर से उनके वकील बॉबी हिल सिडनी की अदालत में पेश हुए और उन्होंने शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में औपचारिक रूप से अपना दोष स्वीकार किया। यह मामला 5 अप्रैल, ईस्टर रविवार का है, जब वॉर्नर एक वैन चला रहे थे। वह एक जगह पर रुके, जो यादृच्छिक श्वास परीक्षण बिंदु से थोड़ी दूरी पर थी, जिसके बाद यह मामला सामने आया। इसके बाद पुलिस ने सड़क किनारे उनका श्वास टेस्ट किया। जांच में उनके शरीर में अल्कोहल की मात्रा तय कानूनी सीमा से दोगुनी से भी ज्यादा पाई गई। इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए थाने ले गई। वॉर्नर के वकील बॉबी हिल ने इस साल की शुरुआत में एक सुनवाई के दौरान कहा था, हम में से बहुत से लोग ऐसे गलत फैसले लेते हैं। मुझे लगता है कि उन गलत फैसलों को मानना और उनके लिए जवाबदेह होना जरूरी है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप एक ट्रेड्समैन हैं, एक डॉक्टर हैं या दुनिया के सबसे अच्छे ओपनिंग बैट्समैन में से एक हैं, यह खतरा हम सभी के लिए मौजूद है। वह जानते हैं कि उन्होंने जो किया वह गलत था।

टी-20 में जीत की राह पर लौटने उतरेगा भारत, जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में अय्यर की अग्निपरीक्षा

हरारे, (ए.)। लगातार टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम गुरुवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी-20 सीरीज में जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत की पटरी पर लौटने के इरादे से मैदान में उतरेगी। कप्तान श्रेयस अय्यर अपनी कप्तानी में पहली सीरीज जीत दर्ज करने की कोशिश करेंगे, जबकि युवा भारतीय टीम के सामने हालिया असफलताओं को पीछे छोड़ने की चुनौती होगी।श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत ने शुरुआती सात टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में छह मैच गंवाए हैं। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज हारने के बाद जिम्बाब्वे दौरा टीम के लिए आत्मविश्वास हासिल करने का सुनहरा मौका है। हालांकि भारत इस सीरीज में प्रबल दावेदार माना जा रहा है, लेकिन हार टीम के ड्रेसिंग रूम पर बड़ा असर डाल सकती है। इस दौरे पर मुख्य कोच गौतम गंभीर की जगह वीवीएस लक्ष्मण टीम की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ऐसे में टीम संयोजन और रणनीति पर भी सभी की नजरें रहेंगी।

वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी निगाहें

युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर आकर्षण का केंद्र होंगे। उनके साथ अभिषेक शर्मा पारी की शुरुआत करेंगे, जबकि संजू सैमसन इस दौरे के लिए टीम में शामिल नहीं हैं। हरारे स्पोर्ट्स क्लब का मैदान अभिषेक और वैभव दोनों के लिए खास रहा है। अभिषेक ने यहीं टी-20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और दूसरे ही मैच में शतक जड़ा था। वैभव ने इसी मैदान पर इस साल अंडर-19 विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार शतक लगाया था।

गेंदबाजी और मध्यक्रम सबसे बड़ी चुनौती

हरारे की पिच पर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त उछाल और मदद मिलने की संभावना है। ऐसे में जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगरावा भारतीय बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं।मध्यक्रम में उपकप्तान तिलक वर्मा की बल्लेबाजी क्रम को लेकर भी चर्चा है। उन्हें नंबर-5 पर सफलता नहीं मिली है, जबकि ईशान किशन नंबर-3 की भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में रिंकू सिंह भी मध्यक्रम में मजबूत विकल्प माने जा रहे हैं।

जैकब बेथेल घुटने की चोट के कारण द हंड्रेड से बाहर

नई दिल्ली (आरएनएस)। दाहिने घुटने की चोट के कारण इंग्लैंड के ऑलराउंडर जैकब बेथेल इस साल द हंड्रेड टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं होंगे। इस उभरते हुए खिलाड़ी को बर्मिंघम फीनिक्स की कप्तानी का एक अहम मौका नहीं मिल सकेगा। इसी के साथ बेथेल के अगले महीने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में खेलने पर भी संदेह पैदा हो गया है। बर्मिंघम फीनिक्स ने शुक्रवार को ट्रेंट रॉकेट्स के खिलाफ ओपनिंग मैच के लिए बेथेल की जगह साउथ अफ्रीका के डोनोवन फरेरा को कप्तान चुना है। फ्रेंचाइजी बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान की फिटनेस पर भी नजर रख रही है, जो हाल ही में इंटरनेशनल ड्यूटी के दौरान लगी चोट से उबरने के बाद टीम में शामिल हुए हैं। बेथेल भारत के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज के दौरान चोटिल हुए थे। सोमवार सुबह एमआरआई स्कैन के बाद उन्होंने टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बेथेल के फिट होने में लगने वाले समय के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

विश्व कप के रण में मध्यप्रदेश का गौरव: हॉकी इंडिया की विश्व कप टीम में हॉकी अकादमी के एसोसिएट खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद का चयन

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के लिए एक बार फिर गर्व का अवसर आया है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा संचालित मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी के एसोसिएट खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद का चयन एफआईएच हॉकी विश्व कप बेल्जियम एवं नीदरलैंड-2026 के लिए घोषित भारतीय पुरुष हॉकी टीम में हुआ है। यह विश्व कप 15 से 30 अगस्त 2026

15 अगस्त से बेल्जियम-नीदरलैंड में शुरू होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे विवेक सागर प्रसाद

तक आयोजित होगा, जिसमें भारतीय टीम विश्व विजेता बनने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। विवेक सागर प्रसाद का चयन न केवल उनकी निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिणाम है, बल्कि यह मध्यप्रदेश की खेल अकादमियों में उपलब्ध विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और खिलाड़ियों के समग्र विकास की प्रभावी व्यवस्था का भी प्रमाण है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके विवेक अब विश्व हॉकी के सबसे प्रतिष्ठित मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगे। भारतीय टीम की कप्तानी अनुभवी डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह को सौंपी गई है, जबकि अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह उपस्थिति से टीम को मजबूती देंगे। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम को अनुभव और युवा ऊर्जा का संतुलित मिश्रण बताते हुए विश्व कप में बेहतर प्रदर्शन का भरोसा जताया है।भारत को विश्व कप के पूल-डी में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के विरुद्ध करेगी, इसके बाद 17 अगस्त को इंग्लैंड तथा 19 अगस्त को चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मुकाबला खेलेगी। मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी से जुड़े खिलाड़ी का विश्व कप टीम में चयन प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का विषय है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित खेल अकादमियां लगातार राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तैयार कर रही हैं, जिसका परिणाम देश की विभिन्न राष्ट्रीय टीमों में प्रदेश के खिलाड़ियों की बढ़ती भागीदारी के रूप में सामने आ रहा है।

छत्तीसगढ़ समाचार

रायपुर में अपराध पर पुलिस की कार्रवाई तेज, मारपीट-चोरी और अवैध हथियार के कई मामले दर्ज

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में बीते दिनों मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी, वाहन चोरी और अवैध हथियार रखने के कई मामले सामने आए हैं। पुलिस ने विभिन्न मामलों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं खम्हारडीह पुलिस ने नशीली गोलियों के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि तेलीबांधा और सिविल लाइन थाना क्षेत्र में अवैध चाकू और तलवार बरामद कर आरोपियों के खिलाफकार्रवाई की गई।

मारपीट और धमकी के मामले: खमतराई थाना क्षेत्र में उधार पैसे के लेन-देन को लेकर विवाद में मारपीट और स्कूटी की हेडलाइट तोड़ने का मामला दर्ज हुआ। पुरानीबस्ती, कबीरनगर, टिकरापारा, आजाद चौक, मोवा और गंज थाना क्षेत्रों में भी अलग-अलग विवादों में मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने की शिकायतें दर्ज की गईं। टिकरापारा क्षेत्र में घरेलू विवाद को लेकर पति द्वारा महिला से मारपीट का मामला भी सामने आया।

वाहन और सामान चोरी: सिविल लाइन थाना क्षेत्र में टाउन हॉल के पास से एक्टिवा, गंज थाना क्षेत्र में केंद्रीय जेल परिसर से बजाज प्लेटिना और पुरानीबस्ती क्षेत्र में तिरंगा चौक से एक्टिवा चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज हुई। डीडी नगर क्षेत्र में शराब दुकान के पास से हीरो स्प्लेंडर और आरंग में शराब दुकान के पास से मोटरसाइकिल चोरी का मामला भी दर्ज किया गया। मोवा थाना क्षेत्र में बालाजी मेडिकल कॉलेज परिसर से एसी के आउटडोर यूनिट में लगे करीब 10 हजार रुपये कीमत के कॉपर पाइप चोरी होने की शिकायत सामने आई। जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान सोने की चेन चोरी: खम्हारडीह थाना क्षेत्र में जगन्नाथ मंदिर के पास रथ यात्रा के दौरान एक महिला के गले से करीब 70 हजार रुपये कीमत की सोने की चेन चोरी होने का मामला दर्ज किया गया है।

आकाशीय बिजली से बचाव के लिए जिला प्रशासन की अपील, बारिश और गरज-चमक के दौरान बरतें विशेष सावधानी

जशपुरनगर, (आरएनएस)। वर्षा ऋतु के दौरान आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में संभावित वृद्धि को देखते हुए जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने जिलेवासियों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। नागरिकों से कहा गया है कि मौसम खराब होने, तेज गरज-चमक या बिजली कड़कने की स्थिति में लापरवाही न करें और तुरंत किसी सुरक्षित स्थान पर शरण लें।

गरज-चमक के दौरान खुले मैदान, खेत, पहाड़ी क्षेत्र, नदी-तालाब एवं अन्य जलाशयों के आसपास जाने से बचें। साथ ही पेड़ों के नीचे खड़े न हों, क्योंकि आकाशीय बिजली गिरने का खतरा अधिक रहता है। ऐसी स्थिति में किसी पक्के भवन या पूरी तरह बंद वाहन में शरण लेना सुरक्षित उपाय है। मौसम विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी चेतावनियों का पालन करें तथा अत्यंत आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें।

कांग्रेस नकारात्मक राजनीति में कभी सफल नहीं होगी, जनता सच्चाई जानती है : उपमुख्यमंत्री अरुण साव

स्मार्ट मीटर नई तकनीक का हिस्सा, बिजली व्यवस्था में आएगी पारदर्शिता : डिप्टी सीएम अरुण साव

रायपुर,(आरएनएस)। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार पारदर्शिता, सुशासन और विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तथ्यहीन आरोप लगाकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। नीट परीक्षा, यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी), स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर जनता कांग्रेस के बहकावे में नहीं आएगी। प्रदेश की जनता सच्चाई को भली-भांति समझती है। विपक्ष की नकारात्मक राजनीति कभी सफल नहीं होगी।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि नीट परीक्षा मामले में सरकार ने समय पर कार्रवाई कर दोबारा परीक्षा आयोजित कराई। इसके बावजूद कांग्रेस इस विषय को राजनीतिक रंग देने का प्रयास कर रही है। उन्होंने यूसीसी पर सरकार का पक्ष स्पष्ट करते हुए कहा कि यूसीसी को लेकर भी सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि आदिवासी समाज के अधिकार पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित समिति सभी वर्गों से सुझाव लेकर सरकार को अपना प्रारूप सौंपेगी।अरुण साव ने स्मार्ट मीटर को लेकर कहा कि स्मार्ट मीटर नई तकनीक का हिस्सा हैं, जिससे बिजली व्यवस्था में पारदर्शिता और सुविधा बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बिना तथ्यों के लोगों में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है।

बारिश से बगीचा-बतौली मार्ग पर कीचड़ और गड्ढों की समस्या, पीडब्ल्यूडी ने मरम्मत के दिए निर्देश

जशपुर,(आरएनएस)। बगीचा-बतौली मार्ग पर बारिश के दौरान कीचड़ और गड्ढों की वजह से ग्रामीणों को हो रही परेशानी को लेकर प्रकाशित खबर के बाद लोक निर्माण विभाग ने स्थिति स्पष्ट की है। विभाग के अनुसार बतौली-बगीचा मार्ग का निर्माण कार्य वर्तमान में प्रगति पर है।

लोक निर्माण विभाग जशपुर से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, अचानक हुई बारिश के कारण निर्माणाधीन सड़क के कुछ हिस्सों में कीचड़ और गड्ढों की समस्या उत्पन्न हुई है। विभाग ने खराब हिस्सों की तत्काल मरम्मत कराने के लिए संबंधित ठेकेदार को निर्देशित किया है। विभाग के अनुसार, ठेकेदार द्वारा सड़क के खराब हिस्सों की मरम्मत का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, ताकि बारिश के दौरान राहगीरों और ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना न करना पड़े और सड़क की स्थिति में सुधार हो सके। लोक निर्माण विभाग ने बताया कि बतौली-चराईडांड मार्ग अंतर्गत आने वाले बतौली-बगीचा मार्ग का कार्य जारी है। विभाग की ओर से निर्माण कार्य की निगरानी की जा रही है और खराब हिस्सों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

कॉम्प्लेक्स के बाहर खून से लथपथ मिली युवक की लाश, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में एक मजदूर की हत्या से सनसनी फैल गई। कोतवाली थाना क्षेत्र में यातायात थाना के सामने स्थित एक कॉम्प्लेक्स के बाहर मजदूर का खून से लथपथ शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान नेहरू नगर निवासी प्रकाश हरिजन के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि अज्ञात हमलावरों ने मजदूर के सिर पर धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या कर दी। आशंका जताई जा रही है कि वारदात तड़के सुबह करीब 4 से 5 बजे के बीच हुई। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए और मृतक का शव कॉम्प्लेक्स के बाहर पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके अलावा सिविल लाइन एसीपी, एफएसएल टीम और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की।

नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग ने डुंडा बोरिया स्थित देवी स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट की स्वच्छता व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण

रायपुर,(आरएनएस)। रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 10 स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वच्छता से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने जोन 10 क्षेत्र अंतर्गत डुंडा बोरिया में स्थित देवी स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट की स्वच्छता व्यवस्था का औचक निरीक्षण नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन 10 जोन कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा के मार्गनिर्देशन में किया गया.स्वच्छता व्यवस्था के औचक निरीक्षण के दौरान गन्दगी फैलाया जाना और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम का उल्लंघन करना पाया गया. प्राप्त जनशिकायत स्थल पर पूरी तरह सही मिलने पर निर्देशानुसार जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा एवं स्वच्छता निरीक्षक यशवंत बेरिहा द्वारा देवी स्वीट्स and रेस्टोरेंट के सम्बंधित संचालक को भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए स्वच्छता दीदियों की स्थल पर उपस्थिति में तत्काल 10 हजार रूपये का ई जुर्माना किया और प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग द्वारा त्वरित निदान किया गया।

छत्तीसगढ़ में भारी से अति भारी बारिश का ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी

रायपुर, (आरएनएस)। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के रायपुर और बिलासपुर सहित कई जिलों में भारी से अति भारी बारिश का ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 से 48 घंटों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश के साथ-साथ तेज आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली (वज्रपात) गिरने का खतरा बना रहेगा। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, जांजगीर-चांपा, कोरबा, धमतरी, गरियाबंद, मुंगेली, बलौदाबाजार, बस्तर और बेमेतरा जिले में बारिश का ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी किया गया है । राजधानी रायपुर में आज बुधवार सुबह से हल्की बारिश हो रही है। मानसून के पूरी तरह सक्रिय होने और झारखंड व पश्चिम बंगाल के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण राज्य में लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक पूरे प्रदेश में मानसून के सक्रिय रहने की संभावना जताई है।मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान बिलासपुर संभाग के अधिकांश स्थानों में वर्षा हुई। कुछ स्थानों पर भारी वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान अंबिकापुर में सर्वाधिक तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भू-अभिलेख शाखा से मिली जानकारी के मुताबिक बिलासपुर में पिछले 24 घंटों में 53.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि इस मानसून सीजन में शहर में अब तक 128.4 प्रतिशत वर्षा हो चुकी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की।

कलेक्टर ने कान्याखेड़ी परियोजना का किया निरीक्षण

शेष रहे डूब प्रभावितों को जल्द से जल्द मुआवजा राशि दिलाने के दिए निर्देश

परियोजना से 3,800 हेक्टेयर कृषि भूमि होगी सिंचित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. ने आष्टा में कान्याखेड़ी परियोजना का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परियोजना में पूर्ण हो चुके कार्यों का अवलोकन किया तथा अधिकारियों से शेष कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि परियोजना के सभी शेष कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण कर शीघ्र परियोजना को पूर्ण रूप से क्रियाशील बनाया जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर को जानकारी दी गई कि बांध का मुख्य निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है तथा केवल नाला क्लोजिंग का कार्य शेष है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवश्यक विभागीय अनुमति प्राप्त कर नाला क्लोजिंग का कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जाए, ताकि परियोजना का निर्माण पूर्ण हो सके और वर्षा जल का अधिकतम संचयन सुनिश्चित किया जा सके। कलेक्टर ने परियोजना क्षेत्र से गुजर रही हाईटेंशन विद्युत लाइन को भी शीघ्र शिफ्ट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर लंबित कार्यों का समयबद्ध निष्पादन करें, जिससे परियोजना के पूर्ण होने में किसी प्रकार की बाधा न आए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने डूब क्षेत्र के प्रभावित किसानों एवं भू-स्वामियों को देय मुआवजा राशि के भुगतान पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों निर्देश दिए कि शेष प्रभावितों को शीघ्र मुआवजा राशि दिलाई जाए। यदि किसी स्तर पर अनावश्यक विलंब हो रहा है अथवा विभागों के बीच समन्वय के अभाव में प्रकरण लंबित हैं, तो उनकी जानकारी तत्काल उपलब्ध कराई जाए, ताकि व्यक्तिगत स्तर पर समीक्षा कर उनका निराकरण कराया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रभावित हितग्राहियों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराना प्रशासन का दायित्व है। कलेक्टर बालागुरू के. ने डूब क्षेत्र में आने वाले विस्थापित परिवारों से भी चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान विस्थापितों ने बताया कि पुनर्वास क्षेत्र में अभी तक बिजली की सुविधा उपलब्ध नहीं हो सकी है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवश्यक समन्वय कर शीघ्र विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि विस्थापित परिवारों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि पुनर्वास स्थलों पर बिजली, पेयजल, सड़क सहित सभी मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

आज से शुरू होगा तीन दिवसीय मेगा महिला स्वास्थ्य शिविर

सीहोर (निप्र)। महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर अटल हॉस्पिटल गंगा आश्रम सीहोर में तीन दिवसीय मेगा महिला स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का शुभारंभ आज गुरुवार 23 जुलाई से होगा। शिविर 23, 24 और 25 जुलाई 2026 तक प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। इस दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा महिलाओं की जांच, परामर्श और उपचार किया जाएगा। शिविर में बच्चेदानी की गांठ, अंडाशय की गांठ, अत्यधिक मासिक धर्म, सफेद पानी, गर्भाशय संबंधी समस्याओं सहित विभिन्न स्त्री रोगों की जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध रहेगी। विभिन्न स्त्री रोगों से पीड़ित महिलाओं को विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लेने का अवसर मिलेगा।अस्पताल प्रबंधन ने जिले की महिलाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लें और उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाएं।

एसपी कार्यालय के सभागार में मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता सत्र आयोजित

सीहोर(निप्र.)। दिनांक 22 जुलाई 2026 (बुधवार) को एसपी कार्यालय के सभागार में मानसिक स्वास्थ्य विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, मानसिक समस्याओं की पहचान एवं उनके समय पर समाधान के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय सीहोर से डॉ. अर्शी साद, किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता ममतेश राठौर एवं नर्सिंग ऑफिसर रेशमा कुरैशी द्वारा सत्र लिया गया। विशेषज्ञों ने मानसिक स्वास्थ्य क्या है, मानसिक स्वास्थ्य को कैसे बेहतर बनाए रखा जा सकता है तथा तनाव, चिंता एवं अन्य मानसिक समस्याओं से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित अपनी जिज्ञासाएँ एवं समस्याएँ खुलकर साझा कीं, जिनका विशेषज्ञों द्वारा सरल एवं व्यावहारिक तरीके से समाधान किया गया। साथ ही सभी पुलिस कर्मियों को Mannhit App का उपयोग कराया गया एवं ऐप के माध्यम से उनका स्वयं का मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन (Self Assessment) भी कराया गया, जिससे वे अपनी मानसिक स्वास्थ्य स्थिति को समझ सकें। इसके अतिरिक्त मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं सहायता हेतु मनहित टेली-मानस हेल्पलाइन नंबर 14416 की जानकारी भी साझा की गई तथा आवश्यकता पड़ने पर इस निःशुल्क सेवा का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

आज रायपुरा पहाड़ी को हराभरा कर बड़ली माता को हरी चुनर ओढ़ायेगा गायत्री परिवार

सीहोर(निप्र.)। गायत्री परिवार आज रायपुरा पहाड़ी को हराभरा कर बड़ली वाली माता को हरी चुनर ओढ़ायेगा। संयुक्त रूप से पंद्रह गांवों के हजारों ग्रामीण वृक्ष गंगा अभियान त्रिवेणी पौधा रोपण महायज्ञ कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम में पहुंच कर विधायक सुदेश राय समाजसेविका श्रीमती अरुणा राय और वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय भी पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण करेंगे। अखिल विश्व शांतिकुंज गयात्री हरिद्वार परिवार से मुख्य अतिथि के रूप में डॉ चिन्मय कार्यक्रम में पहुंचेंगे और पर्यावरण संरक्षण सहित गायत्री परिवार के द्वारा दुनिया भर में आयोजित किया जा रहे वृक्ष गंगा अभियान को लेकर कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम संयोजक मनोहर दांगी ने बताया कि अखिल विश्व परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान मे 100 वर्षों से निरंतर प्रज्वलित अखंड दीप एवं गायत्री परिवार की संस्थापिका माता भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी वर्ष 2026 का महा आयोजन भारत साहित लगभग 180 देशों मे किया जा रहा है. इस आयोजन के लिए गायत्री मिशन के समाज निर्माण और राष्ट्र जागरण के निमित्त सप्त आंदोलन मे हरीतिमा संवर्धन पर विशेष जोर दिया जा रहा है।गायत्री परिवार प्रचार प्रसार की योजना बनाकर आसपास के 15 ग्रामों के जन मानस की भागीदारी सुनिश्चित की जा चुकी है बहिनों और भाइयों की टोलियो के द्वारा गांव गांव मे जाकर दीपयज्ञ के माध्यम से घर परिवारों मे सुसंस्कार जागरण द्वारा व्यक्ति और परिवार निर्माण के सूत्र भी समझाए गए हैं।

अच्छी बारिश की कामना को लेकर समाजसेवी आशीष गहलोत ने की तीन किलोमीटर लंबी दंडवत यात्रा

सीहोर(निप्र.)। क्षेत्र में अच्छी वर्षा और किसानों की समृद्धि की कामना को लेकर समाजसेवी आशीष गहलोत ने बुधवार को सीवन नदी तट स्थित गंगेश्वर महादेव मंदिर से प्राचीन गणेश मंदिर तक लगभग तीन किलोमीटर लंबी दंडवत यात्रा की। उन्होंने यह कठिन और श्रद्धापूर्ण यात्रा लगभग तीन घंटे में पूरी की। इस मौके पर संत माधवदास महाराज ने यात्रा का शुभारंभ किया। दंडवत यात्रा के दौरान करणी सेना परिवार की ओर से ईश्वर सिंह चौहान, अजीत सौलंकी, पवन राठौर, राजू बोयत, पंडित अरुण पांडे, पंडित कुणाल व्यास, विशाल परदेशी, पवन केवट, अजय रेकवार, विनित गोयल, राकेश वर्मा, प्रकाश नागर, सेवा यादव, सुनील, अंकित विश्वकर्मा, राहुल, कीटू जाधवानी, आयुष गुप्ता, अंकित परमार, मुकेश गाड़ोदिया,प्रकाश नगर, राकेश वर्मा, अभिजीत सोलकी आदि शामिल थे।

अनेक स्थानों पर दंडवत यात्रा का स्वागत

नगर पालिका परिषद के सामने नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर सहित अन्य ने श्री गहलोत का स्वागत किया। इसके अलावा श्री सिद्ध हनुमान मंदिर पर विशाल परदेशी, राकेश माहेश्वरी, आशोक, राजेश परिहार आदि ने किया। बड़ बाजार में मनोज जैन मित्र मंडल, सुरेश साबू, आशीष गुप्ता, आयुष सोनी ने किया। इसके अलावा शुगर फैक्ट्री चौराहा क्षेत्र में पार्षद अजय पाल राजपूत, आशीष कुशवाहा, बलराम कुशवाहा आदि ने किया। दंडवत यात्रा के दौरान मार्ग में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, समाजसेवी एवं नागरिक मौजूद रहे। यात्रा के पूरे मार्ग में भगवान शिव और श्री गणेश के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। अनेक लोगों ने सीवन घाट से प्राचीन गणेश मंदिर तक आशीष गहलोत का उत्साहवर्धन करते हुए यात्रा में सहभागिता निभाई। पिछले कुछ दिनों से बारिश का दौर थम जाने के कारण क्षेत्र में गर्मी और उमस बढ़ गई थी। पर्याप्त वर्षा नहीं होने से किसान भी अपनी फसलों को लेकर चिंतित हैं और कई स्थानों पर फसलें प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। ऐसे समय में अच्छी बारिश, क्षेत्र की खुशहाली और किसानों के कल्याण की मंगलकामना को लेकर यह विशेष दंडवत यात्रा निकाली गई। यात्रा प्रारंभ होने से पहले सीवन नदी तट स्थित गंगेश्वर महादेव मंदिर में मंदिर के पुजारियों एवं संतों ने विधिवत पूजन-अर्चन कर आशीष गहलोत को आशीर्वाद प्रदान किया। यात्रा के दौरान शहर के अनेक समाजसेवी, धर्मप्रेमी एवं श्रद्धालु उनके साथ चलते रहे और उनका हौसला बढ़ाते रहे।

सांप निकलने के बाद लकीर पीटने का कोई औचित्य नहीं

विधायक तथा नपाध्यक्ष की खींचतान से पिस रही जनता, विकास कार्य हो रहे अवरुद्ध

सीहोर(निप्र.)। दो दिन पूर्व सीहोर विधायक सुदेश राय द्वारा सुंदरवन क्षेत्र में अमृत योजना के तहत चल रहे सीवेज लाइन खुदाई के कार्य को मौके पर पहुंचकर रुकवाने और वहीं से नगरपालिका के सीएमओ को फोन लगाकर निर्माण एजेंसी के ठेकेदार और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इसे लेकर अब कांग्रेस पार्टी ने विधायक सुदेश राय की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। जिला कांग्रेस प्रवक्ता पंकज शर्मा ने एक बयान जारी कर विधायक से पूछा है कि जब वो पूर्व में इस विषय में हुई बैठक में तत्कालीन कलेक्टर चन्द्रमोहन ठाकुर तथा नपाध्यक्ष विकास प्रिंस राठौर के साथ उपस्थित थे, तो उस समय इन कार्यों को स्वीकृति क्यों दी गई थी और विधायक द्वारा तभी इनका विरोध क्यों नहीं किया गया था, ये एक गंभीर सवाल है, जिसका जवाब उनको जरूर देना चाहिए। पंकज शर्मा ने कहा कि यदि इस कार्य से सुंदरवन के अस्तित्व पर संकट उत्पन्न होने का अंदेशा था, तो इसको पहले क्यों मंजूरी दी गई और अब जनहित तथा सुंदरवन के अस्तित्व के नाम पर इसमें रोड़े अटकाए जा रहे हैं। उन्होंने सीहोर नगरपालिका से भी प्रश्न किया है कि वो स्पष्ट करे कि पहले तत्कालीन कलेक्टर की अध्यक्षता में पास प्रस्ताव सही था या जो अब विधायक बोल रहे हैं, वो सही है। उन्होंने शहर के विकास कार्यों को राजनीति का अखाड़ा बनाए जाने से बचने की सलाह विधायक और नपाध्यक्ष को दी है।

मध्य प्रदेश पुलिस और संकल्प नशा मुक्ति केंद्र की संयुक्त पहल से नशा मुक्ति अभियान को मिली नई गति

पुलिस प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर नशा मुक्ति के लिए समर्पित है संकल्प

नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता-संचालक राहुल सिंह

सीहोर (निप्र)। नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है, इसलिए इसकी रोकथाम में जनसहभागिता जरूरी है। प्रदेश में नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से गत दिनों नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अभियान का प्रदेशव्यापी शुभारंभ किया था, इसको लेकर बुधवार को संकल्प केन्द्र के पूर्ण सहयोग, राजगढ़ और भोपाल से 20 नशा पीड़ितों को भर्ती किया गया है। उक्त विचार शहर के सैकड़ाखेड़ी स्थित संकल्प नशा मुक्ति केन्द्र के संचालक राहुल सिंह ने कहे। अभियान के तहत पुलिस शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रही है। विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्राम सभाओं, सार्वजनिक स्थलों और सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही लोगों को नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस जनहितकारी अभियान में संकल्प नशा मुक्ति केंद्र अपनी सीहोर भोपाल एवं होशंगाबाद शाखाओं के माध्यम से जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के साथ पूर्ण समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ सहयोग कर रहा है। इसी क्रम में बुधवार को राजगढ़ जिले के पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के निर्देशन में 14 नशा पीड़ित व्यक्तियों को पुलिस वाहन में लाकर उपचार हेतु संकल्प नशा मुक्ति केंद्र, सीहोर भेजा गया। केंद्र पहुंचने पर सभी का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रिया पूर्ण कर उन्हें नशा मुक्ति उपचार हेतु भर्ती किया गया। वहीं दूसरी ओर भोपाल एसीपी अदिति सक्सेना के मार्गदर्शन में 6 नशा पीड़ित व्यक्तियों को संकल्प नशा मुक्ति केंद्र, भोपाल में भर्ती कराया गया, जहां उनका भी चिकित्सकीय परीक्षण कर उपचार प्रारंभ कर दिया गया।

आज मरीह माता मंदिर पर किया जाएगा कन्याओं का पूजन

सीहोर(निप्र.)। शहर के विश्रामघाट स्थित मरीह माता मंदिर में आस्था और उत्साह के साथ गुप्त नवरात्रि का पर्व मनाया जा रहा है, बुधवार को महाष्टमी के मौके पर यहां पर मौजूद श्रद्धालुओं ने आदिशक्ति मां दुर्गा के महागौरी रूप की पूजा-अर्चना की और उसके पश्चात यहां पर विप्रजनों के हवन पूजन किया। गुरुवार को सुबह यहां पर जारी नौ दिवसीय शतचंडी यज्ञ की पूर्णाहुति के पश्चात कन्याओं का पूजन और कन्या भोजन किया जाएगा।

बुधवार को मरीह माता मंदिर में सुबह वैदिक मंत्रों से पूर्ण विधि-विधान से मां दुर्गा के महागौरी रूप में वैदिक मंत्रों से यज्ञाचार्य पंडित मोहन शर्मा, व्यवस्थापक गोविन्द मेवाड़ा, रोहित मेवाड़ा, संस्कार मंच के संयोजक जितेन्द्र तिवारी के मार्गदर्शन में पूजा अर्चना की गई। इसके पश्चात सुबह की आरती की गई। मंच के प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि मां दुर्गा जी की आठवीं शक्ति का नाम महागौरी है और नवरात्रि के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। इनका वर्ण पूर्ण रूप से गौर है, इसलिए इन्हें महागौरी कहा जाता है। इनके गौरता की उपमा शंख, चंद्र और कुंद के फूल से की गई है और इनकी आयु आठ वर्ष की मानी हुई है। इनके समस्त वस्त्र और आभूषण आदि भी श्वेत हैं। वृषभ पर सवार मां की चार भुजाएं हैं जिसमें ऊपर के दाहिने हाथ में अभय मुद्रा और नीचे वाले दाहिने हाथ में त्रिशूल है। ऊपर वाले बाएं हाथ में डमरू और नीचे के बाएं हाथ में वर मुद्रा है और इनकी मुद्रा अत्यंत शांत है। धन-धन्य और सुख-समृद्धि की प्राप्ति के लिए मां गौरी की उपासना की जानी चाहिए।

युवा कांग्रेस एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने जलाया प्रधानमंत्री का पुतला

राहुल गांधी की गिरफ्तारी को लेकर कोतवाली चौराहे पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जोरदार प्रदर्शन

सीहोर (निप्र)। पुलिस के जबरदस्त बंदोबस्त के बावजूद बुधवार रात कोतवाली चौराहे पर सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह ठाकुर बोरदी और एनएसयूआई जिला अध्यक्ष हरिओम सिसोदिया के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर दिया। युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया और एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे के निर्देश पर कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी की गिरफ्तारी और नीट परीक्षा में हुए फर्जीबड़े पेपर लीक के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा जोरदार नारेबाजी कर प्रदर्शन किया गया। कोतवाली थाना पुलिस के द्वारा कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री का पुतला छीनने की कोशिश की गई। काफी देर तक चौराहे पर भाग दौड़ और धक्का मुककी होती रही। आखिरकार कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री का पुतला जला ही दिया।प्रदर्शन के बाद युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह ठाकुर बोरदी और एनएसयूआई जिला अध्यक्ष हरि ओम सिसोदिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कीनीट पेपर लीक मामले के बाद देशभर के विद्यार्थियों में आगोश है अनिक विद्यार्थियों ने आत्महत्या भी कर ली है। इसके बाद भी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं दे रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मामले में कुछ भी कहने को तैयार नहीं है धरना प्रदर्शन को दबाने के लिए हमारे राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी को गिरफ्तार कर लिया गया है देश सब कुछ देख रहा है। संविधान और विद्यार्थियों का भविष्य खतरे में बना हुआ है।प्रदर्शन में नेता प्रतिपक्ष नगर पालिका विवेक राठौर, कांग्रेस नेता राहुल ठाकुर, युवा कांग्रेस शहर अध्यक्ष रेहान नवाब,कांग्रेस नेता कृष्णकांत रिछारिया, मुकेश ठाकुर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे।

वैज्ञानिकों की टीम ने किया सोयाबीन फसल का निरीक्षण

सीहोर(निप्र.)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के खरपतवार अनुसंधान केंद्र, जबलपुर एवं राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान (ICAR-NSRI), इंदौर की संयुक्त वैज्ञानिक टीम द्वारा इछावर के ग्राम भऊखेड़ी, भाड़ाखेड़ी एवं आमला रामजीपुरा में सोयाबीन फसल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कृषि विभाग द्वारा प्रदर्शन के रूप में किसानों को उपलब्ध कराई गई सोयाबीन की उन्नत किस्म जे.एस.-2172 एवं एन.आर.सी.-150 का अवलोकन किया गया। वैज्ञानिकों ने खेतों में फसल की वृद्धि, पौधों की स्थिति, खरपतवार प्रबंधन एवं किसानों द्वारा अपनाई जा रही कृषि तकनीकों का निरीक्षण करते हुए आवश्यक तकनीकी सुझाव दिए। वैज्ञानिकों ने किसानों को बताया कि एल-नीनो के प्रभाव के कारण वर्षा का वितरण असमान हो सकता है, जिससे सोयाबीन फसल प्रभावित होने की संभावना रहती है। ऐसी स्थिति में किसानों को खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखने, समय पर खरपतवार नियंत्रण करने, फसल की नियमित निगरानी रखने तथा कीट एवं रोगों के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देने पर कृषि विभाग एवं कृषि वैज्ञानिकों की अनुशंसा के अनुसार आवश्यक प्रबंधन उपाय अपनाने की सलाह दी गई। ऐसी परिस्थितियों में किसानों को सलाह दी गई कि जहाँ संभव हो, ब्रॉड बेड एवं फरो /रेज़्ड बेड फरो पद्धति से सोयाबीन की बुवाई करें। इस पद्धति से अधिक वर्षा की स्थिति में खेत से अतिरिक्त पानी की निकासी सुगम होती है तथा कम वर्षा की स्थिति में नमी का बेहतर संरक्षण होता है, जिससे फसल की वृद्धि एवं उत्पादन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

कलेक्टर ने आष्टा में औद्योगिक इकाइयों का किया निरीक्षण

उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने के दिए निर्देश

सीहोर (निप्र.)। कलेक्टर बालागुरू के. ने आष्टा स्थित सात्विक एग्रो आटा प्लांट तथा रेलिश फ़ूड दलिया एवं सॉर्टेक्स प्लांट का निरीक्षण कर वहां संचालित उत्पादन प्रक्रियाओं, गुणवत्ता मानकों एवं आधुनिक तकनीकों का अवलोकन किया। उन्होंने प्लांट में उपयोग की जा रही मशीनरी, उत्पादन क्षमता तथा गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्लांट की स्वच्छता, सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली एवं गुणवत्ता मानकों की सराहना करते हुए इनके निरंतर पालन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों में गुणवत्ता और स्वच्छता बनी रहनी चाहिए, जिससे उपभोक्ताओं को बेहतर उत्पाद उपलब्ध हो सकें तथा जिले की औद्योगिक पहचान मजबूत हो। कलेक्टर बालागुरू के. ने संचालकों को निर्देश दिए कि उत्पादन इकाइयों में सुरक्षा मानकों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाए तथा कर्मचारियों को समय-समय पर आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि स्थानीय किसानों से अधिकाधिक कृषि उत्पादों का क्रय कर उन्हें बेहतर बाजार उपलब्ध कराया जाए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके। साथ ही प्लांट परिसर में स्वच्छता, जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी गतिविधियों को भी प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com